

JAMSHEDPUR : सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत को समर्पित कार्यक्रम शहर में मई के प्रथम सप्ताह में पूरे साल तक चलेंगे।
लेखक संस्था वीर खानसा सेवा दल से जुड़े लोगों ने मंगलवार को बैडक की और इसकी रूपरेखा तैयार की। तब हुआ कि कार्यक्रम की शुरुआत साकची एवं जुगसलाई में कीर्तन दरबार से होगी। 25 अप्रैल की सुबह व शाम का दीवान साकची गुरुद्वारा तथा 26 अप्रैल को सुबह व शाम का दीवान जुगसलाई स्टेशन रोड गुरुद्वारा में सजेगा। इसमें भाई रविंदर सिंह युके वाले और हेड ग्रंथी सिंह साहिब बचितर सिंह शहादत का इतिहास और कथा से शहादत को निहाल करेंगे।

सीमेंट कामगार यूनियन ने संघर्ष में मांगा लोगों का साथ

RAMGARH : रामगढ़ जिले में पोक्सो एक्ट के तहत लंबित मामलों के समीक्षा एसीपी अजय कुमार ने की।

मंगलवार को एसीपी कार्यालय में उन्होंने जिले के तमाम थाना प्रभारी के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान महिला लैंगिक अपराध एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित लंबित कांडों की विविधो कॉन्फेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई। साथ ही कांडों का अनुसंधान त्वरित करने से करते हुये ससम्मान निष्पादन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

एसीपी अजय कुमार के द्वारा लंबित कांडों को लेकर अनुसंधानकर्ता, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी, रैस्पेक्टर और सीडीपीओ को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। एसीपी अजय कुमार ने कहा कि पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों का निष्पादन 60 दिनों के अंदर करना है। साथ ही सीडीपीओ पोर्टल पर समय पर अपलोड भी किया जाना है। एसीपीओ और रैस्पेक्टर को हर साप्ताह लैंगिक अपराध और पोक्सो एक्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा करनी होगी।

RAMGARH : रमगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से एक मुक-बधिर बालक को उसके परिजनों से मिलाया गया। मंगलवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बालक को परिजनों को सौंपा। नौ सितंबर 2024 को वात्सल्य धाम बालगृह के हाफर को सूचना मिली थी कि एक मानसिक रूप से अस्वस्थ बालक कोठार ओवर ब्रिज के पास खड़ा है। हाफर फादर द्वारा संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत देखभाल दुपहर महतो को इसकी सूचना दी गई। इसके पश्चात चाइल्ड लाइन के सदस्यों ने तत्काल बच्चे को वात्सल्य धाम बालगृह पहुंचाया गया। 10 सितंबर 2024 को मुकबधिर बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार बालक को बाल गृह में आश्रय दिया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से बच्चे के गुमशुदगी की फोटो युक्त तस्वीर अखबार में प्रकाशित की गई।

संघर्ष मं

RAMGARH : रामगढ़ शहर में भू माफियाओं के खिलाफ आवेदन देना समाज से भी पंजक महतो को भारी पड़ गया। उसे जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में पंजक महतो की और से रामगढ़ थाना में मंगलवार को आवेदन दिया गया है। पंजक महतो ने कहा कि मंगलवार को जब वह अपने एक दोस्त कौलेश्वर कुपुण्डाह के घर पर गए थे, उसी समय भू माफिया कुपुण्डा प्रसाद उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी कहा कि जान से मारने की नीयत से उन पर हमला भी किया गया। लेकिन वे बाल-बाल बच गए। कुपुण्डा प्रसाद ने कहा कि सिंदो- काहू मैदान के पीछे वाले 8 एकड़ 35 डिसेमिमी में जो काली मसना के बारे में उपद्रुत और अन्य जगह आवेदन दिए हों, जिसका अंजाम बुरा होगा। सारा जमीन 8 एकड़ 35 डि मैन और राजबल्लभ अग्रवाल, निवासी- रामगढ़ ने भिक्कर वहाँ है। राजबल्लभ अग्रवाल पर राधाकुपुण्डा के पीछे 17 एकड़ 18 डिसेमिमी जमीन के फजीहौली सीआईडी कर रहे हैं। पंजक महतो ने कहा कि रामगढ़ पुलिस इस पर मामले की जांच करे और आरोपियों पर कार्रवाई करे।

PHOTON NEWS JSR : सिमेंट कामगार यूनियन की ज़रूरत बाँडी मीटिंग मंगलवार को जोजोबेड़ा चेचिस यार्ड में हुई। निमानंद पाल की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में जोजोबेड़ा स्थित न्यूवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड में उत्पादन, मेंटेंस, इलेक्ट्रिकल, पंप कंप्रेसर, हाउस कीपिंग, गार्डन और कैटन, एमएचएस स्टोर आदि में काम करने वाले मजदूर सिमेंट वेज बोर्ड के साथ सेवा शर्त पाने के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में 2008 से लड़ते आ रहे हैं। इसकी सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय में 4 अप्रैल को हुई। मजदूरों ने इस लड़ाई में तन, मन, धन से सहयोग करने का फैसला किया। इसके सारथी यह भी कहा कि आज लगभग 16 वर्ष बीत

सीमेट कामगार यूनियन की जनरल बॉडी मीटिंग मंगलवार को जोजोबेड़ा चेचिस यार्ड में हुई। निगमनाद पाल की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में जोजोबेड़ा स्थित न्यूवोको विस्तार कॉर्प लिमिटेड में उत्पादन, मेंटनेंस, इलेक्ट्रिकल, पंप कंप्रेसर, हाउस कीर्पांग, गार्डेन और कैटोना एमएचएस स्टोर आदि में काम करने वाले मजदूर सीमेट वेज बोर्ड के साथ सेवा शर्त पालने के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में 2008 से लड़ते आ रहे हैं। इसकी सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय में 4 अप्रैल को हुई। मजदूरों ने इस लड़ाई में तन, मन, धन से सहयोग करके का फैसला किया। इसके साथ ही यह भी कहा कि आज लगभग 16 वर्ष बीत

संगठन के महासचिव सह एटक झारखंड के सचिव अबुजु कुमार ठाकुर ने कहा कि मजदूर एकता बनाए रखें। इस दौरान सत्येंद्र सिंह, शंभू सिंह, ज्वाला प्रसाद, अजय सिंह, राम सिंह, रेणु मुर्मू, सबिता सोरेन, रंजन पांडे आदि सहित कई मजदूर उपस्थित थे।

न की शिक्षा का ध्येय

पर्यावरण को सबसे ज्यादा खतरा मानवीय गतिविधियाँ हैं ही हो रहा है। यह इंसान ही है, जिसने प्रकृति को उसने हित के लिए दोहन किया और उसकी हालत खराब किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आईआईटी खड़गपुर के प्रो. अशोक कुमार गुप्ता ने पीपीटी के माध्यम से 'डिफॉर्मिंग एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट इन इंडिया: एडवांसिंग सस्टेनेबिलिटी एंड एनर्जी एफिशिएंसी एप्रोच' विषय पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत व्याख्यान दिया। संगोष्ठी का विषय प्रवेश करते हुए आईआईटी (आईएसएम) के प्रो अंशुमाली ने कहा कि लैंड पॉलिसी सभी पॉलिसियों की जवानी है, क्योंकि सभी नीतियों के क्रियान्वयन के लिए सर्वप्रथम भूमि की ही आवश्यकता होती है। आजकल सरकार भी भूमि अधिग्रहण के बदले रैयतों को काफी बढ़िया आवाज दे रही है।

JAMSHEDPUR : सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत को समर्पित कार्यक्रम शहर में मई के प्रथम सप्ताह में पूरे साल तक चलेंगे।
लेखक संस्था वीर खानसा सेवा दल से जुड़े लोगों ने मंगलवार को बैडक की और इसकी रूपरेखा तैयार की। तब हुआ कि कार्यक्रम की शुरुआत साकची एवं जुगसलाई में कीर्तन दरबार से होगी। 25 अप्रैल की सुबह व शाम का दीवान साकची गुरुद्वारा तथा 26 अप्रैल को सुबह व शाम का दीवान जुगसलाई स्टेशन रोड गुरुद्वारा में सजेगा। इसमें भाई रविंदर सिंह युके वाले और हेड ग्रंथी सिंह साहिब बचितर सिंह शहादत का इतिहास और कथा से शहादत को निहाल करेंगे।

समाचार सार

ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता 27 से

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में उद्योगपति पदम कुमार जैन द्वारा प्रायोजित 14वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता रविवार 27 अप्रैल से शुरू होगी। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम जिला के मान्यताप्राप्त विद्यालय भाग लेंगे। जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में मान्यताप्राप्त विद्यालय के सिर्फ वही छात्र भाग ले सकते हैं, जिनकी जन्मतिथि 1 सितम्बर 2009 या उसके बाद की हो। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है। 20-20 ओवर के मैच लीग कम नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का फाइनल 18 मई को होगा।

शिक्षक संघ के अध्यक्ष बने डॉ. दिलचंद राम

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज शिक्षक संघ की बैठक मंगलवार को डॉ. पीके गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। इसमें संघ की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष डॉ. दिलचंद राम, सचिव प्रो. राम विनय कुमार श्याम और कोषाध्यक्ष प्रो. महेश्वर प्रमाणिक को चुना गया। विदित हो कि घाटशिला महाविद्यालय शिक्षक संघ की कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा हो चुका था। यह भी निर्णय लिया गया कि संघ की बैठक प्रत्येक तीन महीने पर होगी। मार्च 2025 तक सभी शिक्षकों का अंशदान टाकू कोष में जमा कर दिया जाएगा। बैठक में डॉ. एसके सिंह, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. संदीप चंद्र, प्रो. इंदल पासवान, डॉ. कुमार विशाल, प्रो. मो. सज्जाद, डॉ. संजेश तिवारी, प्रो. विकास मुंडा आदि भी उपस्थित रहे।

कर्मचारी महासंघ के प्रखंड अध्यक्ष बने सुरेश राम

GHATSILA : झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की घाटशिला प्रखंड स्तरीय बैठक मंगलवार को धरमबहाल पंचायत भवन में हुई। इसमें महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। बैठक के दौरान प्रखंड स्तरीय कमेट्री का गठन सर्वसम्मति से किया गया। कमेट्री में प्रखंड अध्यक्ष सुरेश राम, कार्यकारी अध्यक्ष अमर पांडेय, उपाध्यक्ष संजय कुमार साहू, जयंत कुमार भगत, शालिनी कुमारी, मंगल टुडू एवं वंदना सिंह, प्रखंड मंत्री धरमु उराव, उप प्रखंड मंत्री नहरु प्रसाद धारा, संयुक्त मंत्री लक्ष्मीकांत महतो, अकिता कुमारी, प्रियंका कुमारी, सोमनाथ बोदरा एवं रायमनी सोरेन, कोषाध्यक्ष अविनाश कुमार मोहंती, सह कोषाध्यक्ष नेहा कुमारी, कार्यालय मंत्री मानस कुमार पाल, अंकिक्षक आशुतोष चौबे, संघर्ष मंत्री मानिक राम सोलंकी, उप संघर्ष मंत्री सोनाराम किस्कू आदि बनाया गया।

पाक कला प्रतियोगिता-सह-पोषण पखवाड़ा संपन्न

CHAIBASA : जिला समाज कल्याण शाखा द्वारा जिलास्तरीय पाक कला प्रतियोगिता-सह-पोषण पखवाड़ा का समापन मंगलवार को हुआ। इसमें प्रथम लीलामुनी कुजूर, आंगनबाड़ी केंद्र फुलहातु-बी, प्रखंड सदर चाईबासा, द्वितीय जम्बुवती देवी, आंगनबाड़ी केंद्र- खास जामदा- 2, प्रखंड- नोवामुंडी व तीसरे स्थान पर मीरा देवी आंगनबाड़ी केंद्र बड़ाजामदा-1, प्रखंड नोवामुंडी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि पाक कला प्रतियोगिता में सहायिकाओं द्वारा विभिन्न व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई। इसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला की तरफ से प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्वेटा भारती ने कहा कि पोषण पखवाड़ा की शुरुआत 8 अप्रैल को हुई थी, जो मुख्यतः चार थीम पर आधारित थी। पहला जीवन के प्रथम 1000 दिन, दूसरा, लाभार्थी माँझटूल को बढ़ावा देना, तीसरा समुदाय स्तर पर अति गंभीर कुपोषित बच्चे का प्रबंधन एवं चौथा बच्चों में मोटापा कम करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना। पखवाड़ा के अंतर्गत पिछले 14 दिनों में 1 लाख से भी अधिक कार्यक्रमों का आयोजन आंगनबाड़ी, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 सेविका-सहायिका व महिला पर्यवेक्षिका भी उपस्थित थीं।

यूनियन उपचुनाव में 5 ने लिए नामांकन पत्र

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के फाउंड्री डिवीजन में रिक हूप कमेट्री मेंबर के एक सीट पर उपचुनाव की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत मंगलवार को 5 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र लिया। दरअसल यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते के रिटायर होने के बाद यह सीट खाली हुई है। मंगलवार को टाटा मोटर्स के पुराने कैटिन में चुनाव संचालन समिति की देखरेख में नामांकन पत्रों का वितरण किया गया। 24 अप्रैल को नामांकन पत्र जमा लिए जाएंगे।

ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए घर में जैव कीटनाशक निर्माण पर हुई कार्यशाला

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क ने मंगलवार को अर्थ डे मनाया। इस अवसर पर पटमदा प्रखंड के ग्रामीण युवाओं के लिए घर पर जैव-कीटनाशक बनाना विषय पर कार्यशाला हुई। यह कार्यशाला बिदु चंदन ट्रस्ट फॉर ट्राइबल सेल्फ-एम्पावरमेंट से जुड़े पलाशबनी गांव (जो लौहनगरी की सीमा पर राष्ट्रीय उच्चपथ-33 के किनारे स्थित है) के उत्साही प्रतिभागियों के लिए आयोजित की गई। इस वर्ष पृथ्वी दिवस का थीम था झ्र आवर पावर, हमारा प्लानेट। मिट्टी की उर्वरता और उसकी जैव विविधता को बनाए रखना मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि मिट्टी स्वस्थ नहीं होगी तो ना ही हमारे लिए जरूरी पौधे पनप पाएंगे और ना ही पशु-पक्षियों का

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में मिट्टी संरक्षण के सिखाए गए गुर

टाटा जू में जैविक कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण लेती महिलाएं व छात्राएं

जीवन सुरक्षित रहेगा। दुर्भाग्यवश, असंजुलित कृषि पद्धतियों के कारण उपजाऊ मिट्टी तेजी से नष्ट हो रही है। ऐसे में आज के युवाओं को पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण की जिम्मेदारी समझनी होगी, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह संसाधन सुरक्षित रह सके। इस अवसर पर जैविक और

युवक पर लगाया शादी का झांसा देकर दो वर्ष से यौन शोषण करने का आरोप

युवती ने मझगांव थाने में दर्ज कराई शिकायत, कहा- शादी की बात पर मारपीट कर भगाया

PHOTON NEWS CHAIBASA :

पश्चिमी सिंहभूम जिला के मझगांव में एक युवक पर शादी का झांसा देकर युवती ने यौनशोषण का आरोप लगाया है। युवती के अनुसार, शादी की बात पर उसने मारपीट कर भगा दिया। पीड़िता की शिकायत के बाद मझगांव थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने युवती को मेडिकल के लिए चाईबासा भेज दिया। बता दें कि आरोपी के खिलाफ युवती ने शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक शोषण करने की शिकायत 21 अप्रैल को दर्ज कराई थी।

जानकारी के अनुसार, मंझारी प्रखंड की पीड़िता मंजु कुमारी (बदला हुआ नाम) ने शिकायत में दर्ज कराया है कि युवक 22-23 महीना पहले एक शादी समारोह में भाग लेने मझगांव गया था। जहां से आरोपी अरशद

किसी और से शादी करने वाला था युवक

इस दौरान पीड़िता को पता चला कि आरोपी युवक किसी और से शादी करने वाला है, और रिपोर्ट करने पर पीड़िता को धमकी दे रहा था। ऐसे में पीड़िता ने अखिर 22 अप्रैल को थाना में शिकायत की तो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके बाद टीम गठित कर आरोपी की तलाश में रवाना किया, लेकिन तीनों घर से फरार हैं।

आलम से परिचय हुआ था। बाद में अपने प्यार के जाल में मुझे आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करता आ रहा था। जब मैंने शादी करने का दबाव डाला तो आरोपी

अरशद आलम, उसके पिता मोहम्मद तंजीम और मामा शाकिर अहमद ने मारपीट कर उसे वहां से भगा दिया और खुद धमकी देने लगा। अगर दोबारा दिखाई दिया तो जान से मार देंगे।

उलीडीह के ननकू हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो हत्यारोपियों को भेजा जेल

PHOTON NEWS JSR :

मानगो के उलीडीह थाना क्षेत्र में खड़िया बस्ती स्थित तिर्की गार्डन के पीछे क्रिकेट मैदान में 19 अप्रैल को हुई कारपेंटर ननकू लाल की हत्या की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में खड़िया बस्ती के ही रहने वाले कृष्ण सिंह उर्फ लल्ला और उलीडीह के ही डिमना रोड स्थित स्वर्णरिखा प्रोजेक्ट निवासी जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त एक देसी कट्टा, दो कारतूस, एक स्प्लेंडर प्लस रोटारसाइकिल और मृतक का रिक्लमी कंपनी का स्क्रीनटच मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में पता चला कि हत्या की इस घटना में एक अन्य युवक भी लिप्त है। पुलिस इस

पत्रकारों को मानगो की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाथी

युवक की तलाश में छापामारी कर रही है। बताया जा रहा है कि कृष्णा सिंह उर्फ लल्ला से ननकू लाल का विवाद चल रहा था। दोनों के बीच कई बार मारपीट हुई थी। लल्ला और जसबीर क्रिकेट मैदान में बैठ कर दारू पी रहे थे। तभी उन्हें ननकू लाल

दिख गया। इन दोनों ने ननकू लाल को दबोच लिया और गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। बताते हैं कि कृष्णा सिंह और जसबीर सिंह दोनों क्रिकेट मैदान में अक्सर अड्डेबाजी करते थे। घटना 19 अप्रैल की रात को ही अंजाम दे दी गई थी।

मंत्री के खिलाफ भाजपा ने निकाली आक्रोश रैली

घाटशिला में बाइक रैली निकालते कार्यकर्ता

GHATSILA : राज्य सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा जिला कमेट्री द्वारा मंगलवार को आक्रोश रैली निकाली गई। रैली मऊभंडार के अंबेडकर चौक से मुख्य पथ होते हुए अनुमंडल कार्यालय पहुंची। जिला अध्यक्ष चंडीचरण साहू के नेतृत्व में अनुमंडल पदाधिकारी पदाधिकारी सुनील चंद्र को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। चंडीचरण साहू ने बताया कि राज्यपाल से मांग की गई है कि राज्य सरकार संघेपित संवैधानिक संकट के दौर से गुजर रही है। संविधान की शपथ लेकर पद पर आसीन होने वाले मंत्री संवैधानिक मर्यादाओं को तार-तार कर रहे हैं। बिना दिनों हफीजुल हसन ने बयान दिया था कि हम कुरान को दिल और संविधान को हाथ में रखते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि 'मेरे लिए शरिया पहले है, संविधान बाद में। दोनों बयान संविधान की मर्यादाओं का उल्लंघन है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

डीबीएमएस की पूर्व प्रिंसिपल मीना बगली का निधन

JAMSHEDPUR : डीबीएमएस कस्मा की पूर्व प्रिंसिपल मीना बगली का सोमवार को निधन हो गया। 64 वर्षीय मीना बगली ब्रेस्ट कैंसर और बोनमैरो की बीमारी से ग्रसित थीं। वह टीएमएच में इलाजरत थीं। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर किया गया। सफिंद हाउस निवासी उनके पति फ़र्मोसज बगली ने बताया कि घर में पारसी रीतिरिवाज के अनुसार क्रियाकर्म किया जा रहा है। पत्नी के रिश्तेदार मुंबई एवं अन्य इलाकों से पहुंच रहे हैं। उठाला व प्रांथना सभा पंजाबी आर्य समाज रीतिरिवाज से होगी।

पशुपालन विभाग के कर्मियों का चार माह से वेतन लंबित

GHATSILA : पशुपालन विभाग अंतर्गत अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी घाटशिला का पद जनवरी से रिक है, जिसके कारण अनुमंडल के कर्मचारियों का वेतन 4 माह से लंबित है। इस संबंध में कार्यालय के कर्मियों ने बताया कि पूर्व के प्रभारी पदाधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार की सेवानिवृत्ति के उपरांत लगभग चार माह बाद भी किसी पदाधिकारी को प्रभार नहीं दिया गया है। इसके कारण चार माह से कर्मियों की वेतन निकाली नहीं हो रही है। कर्मियों के समक्ष भरणा-पोषण से लेकर बच्चों की पढ़ाई एवं पारिवारिक समस्याओं की अनियंत्रित चिकित्सा सेवा तक बाधित है। कर्मियों ने वरीय पदाधिकारियों से आग्रह कर समस्या का निराकरण करने की मांग की है, परंतु हर स्तर से आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। कर्मियों ने बताया कि दो-चार दिनों में अगर वेतन निकाली की व्यवस्था नहीं हुई, तो वे बाध्य होकर सामूहिक रूप से झारखंड उच्च न्यायलय की शरण में जाएंगे।

करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह का हुआ अंतिम संस्कार, पुलिस को मिले ढोस सुराग

PHOTON NEWS JSR :

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की हत्या के तीन दिन बाद मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा मानगो स्थित आस्था स्पेस टाउन से निकली, जिसमें समाज के तमाम वर्गों से लोग शामिल हुए। शव यात्रा सीतारामदेरा, भुइयांडीह होते हुए सुवर्णरिखा बर्निंग घाट पहुंची, जहां अंतिम संस्कार किया गया। इसमें करनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत भी शामिल हुए। दूसरी तरफ, पुलिस को कुछ ढोस सुराग हाथ लगे हैं। इसके जरिए पुलिस हत्यारों तक पहुंचने की कोशिश में लगी है। वहीं पुलिस कई एंगल पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करेगी। करणी सेना की तरफ से भी पुलिस पर काफी दबाव है। विनय सिंह के शव के पास एक देसी पिस्टल मिला था।

टाटा मोटर्स कर्मों की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स के बाईसिक्स (अस्थायी) कर्मी पी. माई की कंपनी में तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसे टेल्लको अस्पताल में भर्ती कराया गया, यहां इलाज के दौरान उसने सोमवार की रात दम तोड़ दिया है। कर्मी के परिजनों ने 30 लाख रुपये मुआवजे की मांग रखी है। उनकी मांग है कि इसके साथ ही एक आश्रित को नौकरी दी जाए। झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष पलटन मुर्मू ने बताया कि पर्सुडीह के प्रधान टोला निवासी पी. माई 19 अप्रैल को ड्यूटी पर गए थे। वहीं, अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। प्रबंधन ने उन्हें इलाज के लिए टेल्लको अस्पताल में भर्ती कराया था। पी. माई तीन भाइयों में मंझला था। वही घर में अकेला कमाने वाला था। 10 लोगों के पालन-पोषण का भार उस पर था।

मृतक की फाइल फोटो

इसलिए परिजन जोर दे रहे हैं कि एक आश्रित को नौकरी दी जाए और 30 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। परिजनों का कहना है कि प्रबंधन उनसे वार्ता कर रहा है। अगर प्रबंधन उनकी मांग नहीं मानता तो वह आंदोलन करेंगे। झामुमो नेता पलटन मुर्मू का कहना है कि मांग नहीं माने जाने पर टाटा मोटर्स का गेट जाम किया जाएगा। जब तक उन्हें मुआवजा और आश्रित को नौकरी का प्लान नहीं किया जाता, तब तक पी. माई का अंतिम संस्कार नहीं होगा।

विनय सिंह की अंतिम यात्रा में शामिल लोग

अर्जुन मुंडा व खुवर दास ने सरकार को घेरा

विनय सिंह की हत्या के बाद राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा उनके परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार को ढाढस बंधाया और कहा कि यह हत्या राज्य की कानून-व्यवस्था की नाकामी को दर्शाती है। उन्होंने सीधे तौर पर पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व मुख्यमंत्री का कहना था कि विनय सिंह एक सामाजिक कार्यकर्ता थे और इस तरह से उनकी हत्या से आम लोगों के मन में भय का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के हासले बुलंद हैं और राज्य में कानून का कोई खोफ नहीं बचा है। पूर्व मुख्यमंत्री खुवर दास ने भी इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में क्राइम का ग्राफ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है।

जब तक हत्यारे गिरफ्तार नहीं होते, जमशेदपुर में रहूंगा

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने स्वर्णरिखा बर्निंग घाट पर पत्रकारों से कहा कि अभी तक पुलिस ने हमारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह के हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस जब तक हत्यारों को गिरफ्तार नहीं करती, मैं जमशेदपुर में ही रहूंगा। यही नहीं, उन्होंने कहा कि रोज एसपी ऑफिस में बैठूंगा।

मिठाई कारीगर की मौत मामले में एसएसपी से मिले परिजन

GHATSILA : कॉलेज रोड स्थित मिठाई दुकान रतन स्वीट्स में कार्यरत कारीगर की 17 अप्रैल को मौत हो गई थी। इस मामले को लेकर मृतक के भाई जितेंद्र चौधरी एवं परिवार के अन्य लोगों ने मंगलवार को एसएसपी से मिले। जितेंद्र चौधरी ने एसएसपी से आग्रह किया है कि मेरा छोटे भाई छोटू चौधरी की मौत संदिग्ध अवस्था में हुई थी। घटना को लेकर मैनेजर राम भुई और मालिक पर भी संदेह है।

वहां मौजूद रहने वाले मैनेजर राम भुई, टास्क नायक, उज्ज्वल प्रमाणिक, उमेश प्रातर, कृष्ण गोरई, जितेन महतो, कमलेश दास, परिमल दास, सैमसंग हांसदा, दुकान के मालिक किशोर कुमार सेन, उनका बेटा अभिजित कुमार सेन ने मिलकर

एसएसपी ऑफिस पहुंचे लोग

इस घटना को अंजाम दिया है। मेरा भाई ही मेरी मां, पिता और कुंवारी छोटी बहत का पालन-पोषण व देखभाल करता था। एसएसपी से आग्रह किया कि उचित जांच कर सभी दोषी लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि मेरे परिवार को न्याय मिल सके।

BRIEF NEWS

रोहतास में बाइक व स्कॉर्पियो की टक्कर में तीन की मौत

DEHRI-ON-SONE : बिहार

में रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर सोमवार की देर रात एक स्कॉर्पियो ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान नोखा थाना क्षेत्र के मुजुनू गांव निवासी मंतोष कुमार 20 वर्ष, भुअर कुमार 18 वर्ष व सजन कुमार 22 वर्ष के रूप में की गई है। घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। स्कॉर्पियो पर बीईओ दावथ का बोर्ड लगा है। बाइक सवार तीनों युवक अपने गांव से रामनगर शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे तभी स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी।

अस्पताल में वार्ड पार्श्वद प्रतिनिधि की हुई मौत लापरवाही का आरोप

EAST CHAMPARAN :

जिला के सुगौली नगर पंचायत के वार्ड पार्श्वद पति सह सुगौली नगर के राजद अध्यक्ष मुस्ताक आलम (45) की मौत हो गई। बताया गया कि वे पथरी के ऑपरेशन के मोतिहारी के एक निजी क्लिनिक में भर्ती हुए थे। जहां उनका दो दिन पूर्व ऑपरेशन हुआ था। सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी जिसके बाद उनके परिजनों ने डॉक्टर और कंपाउंडर को खोजा। लेकिन अस्पताल में कोई मौजूद नहीं था। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। मंगलवार अहले सुबह इलाज के अभाव में उन्होंने तम डोड़ दिया। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। जिसके बाद अस्पताल के सभी कर्मों मौके से फरार हो गये। परिजनों का आरोप है कि इतने बड़े अस्पताल में रात में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। इसलिए समय पर इलाज नहीं मिल सका।

विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने किया प्रदर्शन

BHAGALPUR :

जिले के सन्हौला प्रखंड में विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इरशाद आलम के अध्यक्षता में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा। जिसमें बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, हत्या, अपहरण पर रोक लगाने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल वापस लेने, प्रधानमंत्री आवास सर्वे सूची में सभी गरीबों का नाम बिना भेदभाव शामिल करने, प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि 4 लाख करने, स्मार्ट मिटर खत्म करने और गलत बिजली बिल में सुधार के लिए शिविर लगाने, भूमिहीनों को 5 डिसेमिल जमीन देने सहित कई अन्य मांगे शामिल हैं। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सन्हौला थाना एवं आमडंडा थाना अध्यक्ष का गठजोड़ शाव माफिया और दलालों से हो गया है।

'शहर आपकी बात' के तहत शहरीकरण के बढ़ते कदम कार्यक्रम की हुई समीक्षा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहरी विकास योजना का लिया जायजा

AGENCY PATNA :

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज, मंगलवार को अण्ण मार्ग स्थित 'संकल्प' में नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत 'आपका शहर आपकी बात' बिहार में शहरीकरण के बढ़ते कदम कार्यक्रम की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम से संबंधित विवरणिका का अवलोकन किया और मोबाइल एप से सूचना संग्रहण की जानकारी ली। समीक्षा के पश्चात मुख्यमंत्री ने 'आपका शहर-आपकी बात' जागरूकता रथ का निरीक्षण भी किया। तय हुआ कि अभियान का शुभारंभ 25 अप्रैल को किया जायेगा।

समीक्षा के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के कारण देश में राष्ट्रीय शोक घोषित है, इसके चलते 'आपका शहर आपकी बात' कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ 25 अप्रैल को किया जायेगा। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल से न केवल नगरों की भौतिक स्थिति में



बिहार में शहरीकरण के बढ़ते कदम कार्यक्रम में प्रस्तुत जारी करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य नेता

सुधार होगा, बल्कि नागरिकों का शासन में विश्वास और सुदृढ़ होगा। मुख्यमंत्री के इस दूरदर्शी विचार के अनुरूप यह अभियान शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा सशक्त और समावेशी शहरी बिहार के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्ष 2006 में 123 नगर निकाय थे जो वर्ष 2025 में बढ़कर 261 हो गये हैं। सभी बेहतर ढंग से फंक्शनल हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के

अनुसार राज्य की शहरी जनसंख्या 1.57 करोड़ है जो कि राज्य की कुल जनसंख्या का 15.23 प्रतिशत है। इन आँकड़ों से यह स्पष्ट है कि शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और इसके साथ ही नागरिक सुविधाओं की माँग भी बढ़ी है। शहरीकरण के तेजी से बढ़ते क्रम में कई ऐसे क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जहाँ नागरिकों को आवश्यक सुविधाओं जैसे आवास, सड़क, नाला, पार्क, स्ट्रीट लाइट, बहुउद्देशीय सम्राट

अशोक भवन घाट, मोक्षधाम, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, जलापूर्ति, शौचालय एवं सिवरेज आदि की उपलब्धता एवं उन्नयन अत्यंत आवश्यक है ताकि शहरी जीवन को सुगम और व्यवस्थित बनाया जा सके। नगर विकास सचिव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा शहरी आधारभूत संरचना की मजबूत करने की दिशा में लगातार ठोस प्रयास किए गए हैं। इसी क्रम में प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा

कुल 1,696.17 करोड़ की लागत से 25 विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गयी है। नगर निगमों और नगर परिषदों के क्षेत्र विस्तार के बाद ऐसे वार्ड जहाँ नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता कारायी जानी है, वहाँ 'आपका शहर-आपकी बात' कार्यक्रम के अंतर्गत 90 नगर निकायों के 1609 वार्डों में कुल 2491 कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

शौर्य दिवस के रूप में कुंवर सिंह की जयंती मनाएगी सरकार, वायुसेना के विमान देंगे सलामी : सम्राट चौधरी

AGENCY PATNA :

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 1857 के महान स्वाधीनता सेनानी वीर कुंवर सिंह की जयंती को सरकार शौर्य दिवस के रूप में मनायेगी। इस अवसर पर पटना में दो दिन के एयर शो का शुभारम्भ आज वायुसेना के विमानों ने किया। कल (23 अप्रैल) का मुख्य कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और रक्षा मंत्रालय के सहयोग से पटना में लड़ाकू विमानों का रंगारंग एयर शो पहली बार हो रहा है और इसके साथ ही पहली बार कुंवर सिंह जयंती समारोह की भव्यता को



आसमान पर पहुंचाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि एयर शो के पहले दिन आज मंगलवार को वायुसेना के बिहटा एयर बेस से उड़ान भरने वाले नौ सूर्य किरण विमानों का हैरत अंगेज

करतब 40 से अधिक स्कूलों के सैकड़ों बच्चों ने देखा, जिससे उनमें देशभक्ति और वीरता की भावना का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि एयर शो के 23 अप्रैल के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि कल के एयर शो में आकाशगंगा की टीम तिरंगे के साथ कुंवर सिंह की तस्वीर लेकर आकाश में सलामी देगी। यह पहला मौका है जब बिहार की धरती पर वायुसेना के माध्यम से वीर कुंवर सिंह को हवाई सलामी दी जाएगी। ईसाई धर्म गुरु पोप के निधन पर राष्ट्रीय शोक होने के कारण किसी तरह का उद्घाटन कार्यक्रम नहीं होगा, लेकिन भारतीय वायुसेवा की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा 9 हॉक 132 जेट विमानों के साथ भव्य प्रदर्शन करेंगे।

ट्रेक्टर की ट्रॉली से दबकर बाइक सवार पति की मौत, बाल-बाल बचीं पत्नी व बच्ची

AGENCY EAST CHAMPARAN :

सुगौली-रक्सौल रेल मार्ग में शीतलपुर रेलवे डाला के समीप में रेल लाइन पार कर रहे ट्रैक्टर के ट्रेलर से दब जाने से बाइक सवार एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथ में बाइक पर सवार पत्नी और बेटे बाल-बाल बच गईं। मृतक पलनवा थाना क्षेत्र के बस्ती निवासी जोखु खान का पुत्र फैयाज खान(30) बताया गया है। परिजन के अनुसार मृतक अपने ससुराल जगदीशपुर से अपनी पत्नी शबनम खातून और पुत्री अलिफा के साथ बाइक से सुगौली थाना क्षेत्र के नकरदेई में ब्याही अपनी छोटी साली के ससुराल जा रहा था। जब वह शीतलपुर रेल डाला के नजदीक पहुंचा तभी उसके चल रहे गिट्टी लदी ट्रैक्टर जो रेल लाइन पार कर रहा था लेकिन ट्रैक्टर पर अधिक



AGENCY ARARIA :

अररिया नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीर बस्ती वार्ड नं-18 के पास गैयारी नहर रोड के किनारे चाय दुकानदार 40 वर्षीय कलाम का शव गला रेता मिला था। मामले में पुलिस ने सफीक नामक आरोपी की गिरफ्तार किया है। जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने आज दी। चाय दुकानदार एवं पॉर्ट टाइम में ई रिक्शा चलाने वाले कलाम की हत्या धारदार हथियार से किया गया था। सूचना पर तत्काल नगर थाना द्वारा घटनास्थल को सुरक्षित कर एफसीएल टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन कराया गया। घटना के संबंध में अररिया थाना में मामला दर्ज किया गया था। कांड के त्वरित उद्बेदन एवं



अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामपुकार सिंह के नेतृत्व में थानाध्यक्ष, अररिया एवं डीआई्यू की विशेष टीम गठित कर अनुसंधान की कार्यवाही प्रारम्भ की गई थी। टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान, आसूचना संकलन एवं सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन के आधार पर घटना के संबंध में एक प्लैटिना मोटर साइकिल पर

मृतक कलाम के साथ सवार दो अन्य व्यक्तियों को चिन्हित किया गया था जिनके द्वारा मृतक को घटना स्थल पर साथ लाया गया था। तत्पश्चात टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए इस्लामनगर वार्ड संख्या 27 के 30 वर्षीय सफीक पिता स्व. नूर मोहम्मद को हिरासत में लेकर पूछताछ में सफीक द्वारा आपसी विवाद को लेकर अपने सहयोगी के साथ कलाम की चाकू से गला रेतकर हत्या किया गया। अभियुक्त सफीक को गिरफ्तार करते हुए उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद किया गया। घटना में शामिल अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

समाज से कुपोषण के खात्मे को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन



AGENCY NAVADA :

समाज से कुपोषण रूपी कोढ़ के खात्मे के लिए मंगलवार को नवादा जिले के सभी बाल विकास परिषदों के सभी बाल विकास प्रयोजना कार्यालय में पोषण कार्यक्रम का आयोजन कर शपथ ग्रहण कराया गया। कौवाकोल बाल विकास परियोजना में में पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला पर्ववैशिकाओं ने सेंविकाओं को कुपोषण मिटाने के मामले में सजगता से काम करने की बात कही। पोषण पखवाड़े के अवसर पर नवादा जिले में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत कौवाकोल प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी कुपोषण के खात्मे का अभियान चलाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बाल विकास परियोजना कार्यालय में आयोजित पोषण कार्यक्रम में महिला पर्ववैशिका माधवी कुमारी,

निवेदिता कुमारी, आरती कुमारी,प्रधान सहायक विपिन कुमार के साथ ही उपस्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले भी कुपोषण की खात्मे का शपथ ग्रहण के साथ संकल्प लिया। सेवकाओं को बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले तथा गरीब तबके के लोगों के घरों में जाकर कुपोषित बच्चों तथा महिलाओं पर विशेष ध्यान देना है तथा उसके निवारण के उपाय भी बताना है। अति कुपोषित बच्चों की सूची कार्यालय को भेजना है। ताकि सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के अनुसार उसका बेहतर इलाज कराया जा सके। 8 अप्रैल से चलने वाले पोषण पखवाड़े का आज मंगलवार को समापन किया गया इस बीच सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण की खात्मे के लिए कई कार्यक्रम चलाए गए।



एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष, भागलपुर साइबर थाना के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। उक्त गठित टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मात्र

06 घंटे के अंदर ऑनलाईन लोन देने के नाम पर ठगी करने वाले कुल 05 व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं बंधक बनाए गये लोगों को मुक्त कराया गया। अनुसंधान जारी है। उल्लेखनीय है कि माला देवी से 08 लाख रुपया, पार्वती देवी से 04 लाख, पूनम देवी से 1.5 लाख, गुड़िया देवी से 01 लाख, अजमेरी खातुन से 50,000 हजार, नक्शा खातुन से 35 हजार, सरिता देवी से 20 हजार एवं कर्नाजिया खातुन से 10 हजार की ठगी कर ली गई। गिरफ्तार किए गए लोगों में रवि शेखर उर्फ मनोज साह, सुलेखा देवी, गुड़िया देवी, बेबी देवी और सुनीता देवी शामिल है।

खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में लगी आग, महिला समेत चार झुलसे

AGENCY NAVADA :

नवादा जिले के रजौली में मंगलवार को नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 में एनएच 20 के किनारे महावीर पंडित के घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण उसमें आग लग गई। आग जलते देख घर में अफरा-तफरी मच गई। घर में रहे पुरुष आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। इसकी सूचना फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचती। उससे पहले घर वाले आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे, जिसमें नरेश पंडित,कौशल्या देवी, महावीर पंडित और नीतीश कुमार बुरी तरह से झुलस गए।जिसे आनन-फानन में आसपास के लोगों के सहयोग से अनुमंडलीय अस्पताल



रजौली में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डॉ नवनीत नंदिनी ने प्राथमिक उपचार किया और सभी को खतरों से बाहर बताया है।फायर ब्रिगेड के अधिकारी राम अवध सिंह ने बताया कि सूचना मिलने के बाद तुरंत हमलोग पहुंचे और आग पर काबू पाया है।उससे पहले ही घर के लोग आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे।जिसमें चार लोग झुलस गए हैं। उन्होंने कहा है कि बेहतर इलाज के लिए बाहर ले जाया जा सकता है।

सुरक्षा, सेवा और सजगता का संदेश के साथ अग्निशमन सेवा सप्ताह संपन्न

आग से बचाव को लेकर रहें सतर्क : संदीप नायक

AGENCY BHAGALPUR :

जिले के एनटीपीसी कहलगांव द्वारा आयोजित फायर सर्विस सप्ताह मंगलवार को संपन्न हो गया। इस मौके पर समारोह आयोजित किया गया। इसमें एनटीपीसी कहलगांव के कार्यकारी निदेशक संदीप नायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सहायक कमांडेंट (अग्नि) मनीष कुमार द्वारा 'फायर सर्विस सप्ताह' के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए की गई। उन्होंने सप्ताह भर आयोजित मांक ड्रिल्स, जनजागरूकता अभियानों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी साझा की तथा वार्षिक अग्नि सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत



फायर सर्विस सप्ताह के समापन कार्यक्रम में एनटीपीसी कहलगांव के कार्यकारी निदेशक संदीप नायक व अन्य

की। अपने संबोधन में संदीप नायक कार्यकारी निदेशक ने अग्नि सुरक्षा के महत्व पर बल देते हुए सीआईएसएफ द्वारा निवाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने फायर सर्विस सप्ताह के

दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कमांडेंट भारती नंदन ने उपस्थित जनसमूह को अग्नि सुरक्षा के प्रति सजग रहने का

आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सप्ताह भर संचित्र के कर्मचारियों, श्रमिकों, सीआईएसएफ बल के सदस्यों तथा टाउनशिप स्थित विद्यालयों के बच्चों को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव एवं सतर्कता

के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सीआईएसएफ अग्निशमन शाखा द्वारा निरीक्षक काली चरण के नेतृत्व में एक उत्कृष्ट अग्नि प्रदर्शन किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा भूरि-भूरि सराहना की गई। उल्लेखनीय है कि अग्निशमन सेवा सप्ताह का उद्देश्य नागरिकों को अग्नि दुर्घटनाओं के प्रति सजग करना तथा जीवन और संपत्ति की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपायों के प्रति शिक्षित करना है। यह सप्ताह सीआईएसएफ इकाई द्वारा पूरी गंभीरता एवं समर्पण के साथ मनाया गया।

AGENCY EAST CHAMPARAN :

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा डिजिटल ह्यूमैनिटीज विषयक एक सेमिनार का आयोजन किया गया।सत्र का नेतृत्व इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी हैदराबाद के प्रख्यात विद्वान डॉ जय सिंह ने किया। डॉ जय सिंह ने डिजिटल ह्यूमैनिटीज के उभरते हुए क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय अध्ययन में तकनीक की प्रासंगिकता और प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की, और यह दर्शाया कि इसका ऐतिहासिक क्रम औद्योगिक क्रांति से लेकर आज के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के युग तक कैसे फैला है। उन्होंने मार्शल मैकुलान जैसे विचारकों का हवाला देते हुए कहा कि



मशीनों के युग में मानव मन में गहरा परिवर्तन आया है। डॉ. सिंह ने मानव मस्तिष्क की तुलना हार्डवेयर से और मानव मन की तुलना सॉफ्टवेयर से की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मनुष्य को अक और तकनीकी विकास के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए, अन्यथा अक मानव मन को नियंत्रित कर सकता है और पोस्ट-

ह्यूमन युग में जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपकरण ग्रंथों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन हमें मानविकी की मौलिक आत्मा को नहीं खोना चाहिए। डॉ. सिंह ने अकका मानव मनोविज्ञान पर प्रभाव समझाने के लिए प्लेसबो इफेक्ट की अवधारणा का उपयोग किया।

सोशल मीडिया इंसाफ का नहीं रिश्तों की मौत का है नया मंच

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव निजी जिंदगी में दखल के साथ ही अब रिश्तों के खात्मे की भी वजह बनता जा रहा है। आजकल लोग निजी झगड़ों और रिश्तों की परेशानियों को सोशल मीडिया पर लाइव आकर सार्वजनिक करने लगे हैं, जहां आधी-अधूरी सच्चाई दिखाकर सहानुभूति बंटोरी जाती है। सुझा आली और मुक्का वाली जैसे मामलों में देखा गया कि जब दूसरा पक्ष सामने आया तो पहले समर्थन करने वाले लोग उलझन में पड़ गए। सोशल मीडिया अब इंसाफ का मंच नहीं, तमाशा बनता जा रहा है, जहां रिश्ते कंटेंट बनकर बर्बाद हो रहे हैं। इस डिजिटल दिखावे से बाहर निकलने का रास्ता संवाद, संयम और सच्चाई पर आधारित समझदारी है। रिश्तों को बचाने के लिए पहले उन्हें सार्वजनिक न करें, बल्कि निजी स्तर पर सुलझाने की कोशिश करें। आधी सच्चाई दिखाकर न्याय मांगना रिश्तों की मौत का कारण बन सकता है। घर के अंदर की बातें अब घर की नहीं रहیں। एक वक्त था, जब दीवारों के भीतर जो होता था, वही दीवारों में दफन होता था, पर अब दीवारें भी वाई-फाई से जुड़ चुकी हैं और रिश्ते डाटा पैक पर टिके हैं। बात-बात पर फेसबुक लाइव, इंस्टा स्टोरी और यूट्यूब व्लॉग। यही अब नए जमाने का रिश्ता-निपटान मंच बन गए हैं। कोई थोड़ा-बहुत झगड़ा हुआ नहीं कि लोग कैमरा ऑन करके ऑडियंस के सामने आंसू बहाने लगते हैं। उस रोते चेहरे के पीछे कितनी सच्चाई है, इसका किसी को अंदाजा नहीं होता, क्योंकि कहानी का दूसरा पहलू अक्सर बेगैसम आता है या कभी आता ही नहीं। आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और लाइव आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू और शब्दों में दर्द, सब कुछ इतना रियल होता है कि देखने वाला पल भर में इमोशनल इन्वेस्ट कर बैठता है। जब सवाल उठता है कि क्या सोशल मीडिया कोई अदालत है, अहां एकरफा सबूत पेश करने दूसरे को बिना सुने सजा सुनाई जा सकती है। क्या हम सब यूजरस अब जज बन चुके हैं और अगर हां तो हमारी अदालत में अपील की व्यवस्था कहां है। दिक्कत ये है कि आजकल लोग जज नहीं, जजमेंटल बन चुके हैं। किसी भी मुद्दे को बिना सोचे, बिना समझे, बिना जांचे, बस वायरल होने की स्पीड से नापते हैं। कौन सही है से ज्यादा अहम हो गया है कौन पहले लाइव आया। दरअसल जब एक रिश्ते की दरार को सार्वजनिक किया जाता है तो उसका असर केवल उस रिश्ते पर नहीं, समाज पर भी पड़ता है। यह एक विकृति बनती जा रही है, जहां निजी दर्द सार्वजनिक मनोरंजन बन रहा है। इसे प्रोत्साहन मिलता है व्यूज, लाइक्स और फॉलोवर्स की भूख से। एक जमाना था, जब लोग अपने रिश्तों को बचाने के लिए कुछ भी कर जाते थे, जबकि आज लोग लाइक और शेयर के लिए अपने रिश्ते खुद बर्बाद कर देते हैं। मीडिया से ज्यादा, मिडियाई मानसिकता दोषी है। यह केवल मीडिया ट्रायल' का मुद्दा नहीं है। असली समस्या उस मानसिकता की है, जो कैमरा ऑन होते ही खुद को पीड़ित घोषित कर देती है और दर्शकों को जूरी बना देती है। यह हाफ ट्रूथ पॉलिटिक्स अब राजनीति तक सीमित नहीं रही। यह अब हमारे घरों में घुस चुकी है। लोग अपने गुस्से और दुख को शब्दों में नहीं, रिक्रिटेड कंटेंट में ढाल रहे हैं। दर्शक भी असल में मदद करने के बजाय तमाशाबीव बने रहते हैं, स्क्रीन के उस पार तालियां बजाते हुए। इस डिजिटल युग में रिश्ते अब संवाद से नहीं, कंटेंट से चलने लगे हैं। पार्टनर से बात करने की जगह, लोग सोशल मीडिया पर इन्डायरेक्ट पोस्ट करते हैं। लाइव होती है तो स्टोरी लगती है - सब कुछ सहने की भी एक हद होती है। फिर लाइक, कमेंट और शेयर की बाढ़ आती है, जो उस रिश्ते के फटे कपड़े में और कील ठोक देती है। आज जब हर व्यक्ति अपने हाथ में मीडिया लेकर घूम रहा है, तब सबसे बड़ा जिम्मेदार भी वही है। कैमरा ऑन करना आसान है, पर सच्चाई को ईमानदारी से दिखाना मुश्किल। रिश्ते भरोसे से बनते हैं और भरोसे की बुनियाद संवाद से मजबूत होती है, तमाशे से नहीं। हर बार लाइव आकर रोना-धोना करने से सहानुभूति तो मिल सकती है, लेकिन रिश्ते नहीं बचते। जब दूसरा पक्ष सामने आता है तो फिर न सिर्फ रिश्ता, बल्कि भरोसा भी मरता है, उस इंसान का भी और उस समाज का भी, जो बस लाइव देखकर न्याय करने को तैयार बैठता था। सवाल है कि क्या कोई रास्ता है इस डिजिटल ड्रामा से बाहर निकलने का। बिल्कुल है। इसलिए अगली बार जब कोई रोता हुआ वीडियो सामने आए तो जरा रुकिए। सवाल पृछिए, दोनों पक्षों को सुनिए, क्योंकि असल इंसाफ वही है, जो तटस्थ हो और इंसाफ के बिना कोई भी तमाशा बस एक और रिश्ते की मौत होती है। उधर उन लोगों को भी सोशल मीडिया के बजाय झगड़े के समाधान के दूसरे रास्ते तलाशने होंगे। जरूरी है कि किसी भी झगड़े या विवाद को सार्वजनिक करने से पहले अपने सबसे करीबी से निजी तौर पर बात करें। संवाद हर समस्या का पहला समाधान है। अगर मामला गंभीर है, तो परिवार, मित्र या थेरेपिस्ट की मदद लें। जब समस्या होती है तो समाधान भी साथ ही होता है। हर कहानी के दो पहलू होते हैं और कभी-कभी सच्चाई दोनों के बीच कहीं होती है। हर रिश्ता अपने आप में एक दुनिया होता है। उसे सार्वजनिक चौराहे पर न उधेड़ें। एक दिन वही दुनिया आपके खिलाफ खड़ी हो सकती है।

गोबर, गुस्सा और विश्वविद्यालय की गिरती गरिमा



विश्वविद्यालय अब संवाद के नहीं, सत्ता के मंच बनते जा रहे हैं, जहां छात्रों की असहमति को दबाया जाता है। इस असामान्य विरोध ने न केवल व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी बताया कि प्रतीकों के जरिए भी तीखा प्रतिरोध संभव है। जब असहमति की जगह छिन जाती है, तो गुस्सा प्रतीकों के जरिए बोलता है, कभी-कभी गोबर से भी। दिल्ली विश्वविद्यालय जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल ही में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने ग्लास रूम की दीवारों पर गोबर लीप दिया और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव। यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक कृत्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है। क्या विश्वविद्यालय अब सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं। क्या छात्र आंदोलन केवल विचारों से नहीं, अब गंध अपवित्र मानते हैं। कहां गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की अस्वेदनशीलता के खिलाफ था।

दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा क्लासरूम और प्रिंसिपल के घर पर गोबर लीपने की घटना केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक गहरे असंतोष की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी। इस विरोध ने सत्ता और शिक्षा व्यवस्था के पाखंड को उजागर किया। जहां एक ओर गोबर को सांस्कृतिक प्रतीक माना जाता है, वहीं जब छात्र उसी प्रतीक का इस्तेमाल विरोध में करते हैं, तो उसे अस्पृश्य करार दिया जाता है। विश्वविद्यालय अब संवाद के नहीं, सत्ता के मंच बनते जा रहे हैं, जहां छात्रों की असहमति को दबाया जाता है। इस असामान्य विरोध ने न केवल व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी बताया कि प्रतीकों के जरिए भी तीखा प्रतिरोध संभव है। जब असहमति की जगह छिन जाती है, तो गुस्सा प्रतीकों के जरिए बोलता है, कभी-कभी गोबर से भी। दिल्ली विश्वविद्यालय जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल ही में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लीप दिया और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव। यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक कृत्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है। क्या विश्वविद्यालय अब सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं। क्या छात्र आंदोलन केवल विचारों से नहीं, अब गंध अपवित्र मानते हैं। कहां गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की अस्वेदनशीलता के खिलाफ था।



क्लासरूम को पवित्र करने की कोशिश की। दरअसल, यह पवित्रता का तंज था, एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र अपवित्र मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की अस्वेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया। दरअसल भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवनशैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन, इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह एक ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की पवित्रता को उलट देता है, बल्कि यह दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर, सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं। भारतीय विश्वविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं, जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है तो उसे

राष्ट्रविरोधी या विकास-विरोधी कहा जाने लगता है। कैंपस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन और डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल अस्पृश्यता कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है, जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही एकमात्र विकल्प बनते हैं। निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए एक अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी, लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छत्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं तो समस्या केवल छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। यह विरोध न तो हिंसक था, न ही शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला, लेकिन यह मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। शायद यही इसका

उद्देश्य भी था, लोगों को हिलाकर रख देना, ध्यान खींचना, और एक झटके में सत्ता की नकली गरिमा को धूल-गोबर में मिला देना। छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचाना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि यह दशाता है कि छात्रों की उम्मीद नहीं रही। जब कॉलेज के भीतर के मंच निष्क्रिय हो जाते हैं, तो विरोध निजी दायरे तक पहुंच जाता है। यह खतरनाक संकेत हैं, न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं। किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया। जिसने संवाद के रास्ते बंद किए। मीडिया अक्सर लक्ष्णों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता। सत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मानकर उन्हें नीतियों में शामिल करती है, जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना, तब वह धर्मसम्मत होता है, लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं तो वे अश्लील और अस्पृश्य

बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का यह विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है। यह दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि आम जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है। मान लीजिए, अगली बार छात्र प्रशासनिक आदेश को पवित्र मानकर उस पर गंगाजल छिड़क दें, तो क्या तब भी यह अस्पृश्यता मानी जाएगी या यह संस्कृति के सम्मान में गिना जाएगा। जब प्रतीकों की राजनीति हो, तो प्रतीकों से ही जवाब देना सबसे तीखा व्यंग्य होता है और यही छात्रों ने किया। इस घटना के बहाने यह जरूरी हो गया है कि विश्वविद्यालयों में संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत किया जाए। छात्रों की आवाज को सुनने, समझने और मान्यता देने की प्रक्रिया को संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए। प्रोफेसरों और छात्रों के बीच विश्वास और सम्मान की नींव फिर से खड़ी की जानी चाहिए। किसी भी असहमति को देशद्रोह या अनुशासनहीनता बताने की प्रवृत्ति पर लगाम लगानी होगी। छात्रों को यह समझना भी जरूरी है कि विरोध का तरीका ऐसा हो, जो व्यापक समाज में उनकी बात को सही तरीके से पहुंचाए, न कि केवल क्षणिक ध्यान आकर्षित करे। यह घटना एक प्रतीकात्मक चेतावनी है कि शिक्षा का मंदिर यदि सत्ता की चौकी बन जाए तो छात्र वहीं पर शुद्धि यज्ञ करने लगते हैं। गोबर का यह विरोध हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए, वरना दीवारें ही नहीं, सोच भी गंधाने लगती है।

(लेखिका स्वीट टिप्पणीकार हैं)

देश में समाप्त होने की कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छह दशकों से देश में नासुर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दी है। उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की चालू दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था, जिसे लोग मानने को मजबूर थे। मगर अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। कई बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से

मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दी है। उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की चालू दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था, जिसे लोग मानने को मजबूर थे। मगर अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। कई बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से

साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले- बीजापुर, कांकिर, नारायणपुर और सुकमा, जबकि झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरोली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है, 9 से घटकर 6 रह गई हैं। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लुरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोटागुडेम हैं। अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं, लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का

नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए एक सरकार विशेष केन्द्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं, जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए, जिसमें बीजापुर और कांकिर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया

और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था। 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे, जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 ग़र सुरक्षा कैप् और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुईं थीं, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल

विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी, लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हाताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है। पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था, तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। इनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे।

Social Media Corner

सब के हक में...

विश्व जीवी दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं । मां पृथ्वी जीवन को पोषित करती है और हमारे विकास और विकास के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करती है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम मां पृथ्वी के स्वास्थ्य की रक्षा और संवर्धन के लिए अत्यंत सावधानी से प्रोपकार करें। मोदी सरकार सतत विकास के लिए वैश्विक पहलों को आगे बढ़ा रही है, और अटूट प्रतिबद्धता के साथ इस उद्देश्य की पूर्ति कर रही है। मैं उन संरक्षणवाधियों की सराहना करता हूं जो हमारे ग्रह को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से करोड़ों रुपये के अवैध निकासी के आरोपी कैथियर सह अपर डिविजनल वलर्क ने स्वीकार किया है कि कमीशन की राशि विभाग के तत्कालीन मंत्री, तत्कालीन सचिव व अभियंताओं में बंटी थी। तत्कालीन सचिव ने पैसे टिकाने लगाने के लिए 'गिरिडीह' जैसे कोवर्ड का इस्तेमाल किया है। पूरी संभावना है कि पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर के माध्यम से कमीशन की राशि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंची है। यह प्रश्न यह है कि झामुमो कांग्रेस आखिर किस हद तक हमारे झारखंड को लूटते रहेंगे? कब तक जनआदेश को अपमानित करते रहेंगे?

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सालभर में जाती है 3.3 लाख लोगों की जान

भारत में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ा संकट एक आपात स्थिति का संकेत करता है। इस राष्ट्रीय आपदा से जुड़े आंकड़े हतभ्रम करने वाले हैं। केवल वर्ष 2022 में ही 1.68 लाख लोगों का जीवन सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ गया। यह संख्या दावोस, मोनाको या फिर भूटान की राजधानी थिंपू की आबादी से भी अधिक है। अनौपचारिक आंकड़ों के अनुसार, साल भर के दौरान देश में औसतन 3.3 लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं। यह संख्या आइसलैंड की आबादी से अधिक या द्वितीय विश्व युद्ध में जान गंवाने वाले अमेरिकी सैनिकों से भी अधिक है। स्पष्ट है कि सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत बहुत ऊपर है। विश्व की 11 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं भारत में होती हैं, जबकि वैश्विक वाहनों का मात्र एक प्रतिशत ही देश में है। राजधानी 450 से अधिक भारतीय सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि खचाखच भरा एक एयरबस ए 380 विमान रोड दुर्घटनाग्रस्त हो रहा है, पर यह मुद्दा सुर्खियों से गायब रहता है। इसमें जावबदेही भी तय नहीं की जाती। त्रासद सड़क हादसों के और भी दुःखद पहलू हैं। जैसे इनमें जान गंवाने वालों में 15 से 29 साल के लोग सर्वाधिक होते हैं। अक्सर ये अपने घर के कमाऊ लोग होते हैं या फिर आगे कमाने का दारोमदार इनके ही

कंधों पर होता है। सड़क हादसों में चार में से एक मौत इसी आयुवर्ग के लोगों की होती है। हादसों में आधी मौतें दोपहिया वाहनों या पैदल यात्रियों से जुड़ी होती हैं। यह तथ्य कमजोर बुनियादी ढांचे और सड़क पर सबसे कमजोर लोगों के प्रति सुरक्षा की लापरवाही को उजागर करता है। इन हादसों में मारे जाने वाले लोगों की संख्या किसी महामारी या आतंकी हमले की तुलना में भी कहीं ज्यादा है, लेकिन इस समस्या के समाधान की दिशा में न तो आवश्यक कानूनी पहल हो रही है और न ही सुधारों की शुरुआत। संक्षेप में कहा जाए तो सड़क हादसे मानवजनित सबसे बड़ी आपदा होने के बावजूद सबसे ज्यादा अनदेखी के शिकार हैं। सड़क हादसों से जुड़े संकट की जड़ों में घटिया इंजीनियरिंग, निम्न गुणवत्ता वाली परियोजनाएं, साइबोर्ड न होना या भ्रामक साइनबोर्ड और इंजीनियरों एवं सहायकारों की जवाबदेही का अभाव जैसे पहलू हैं। सरकार और एनएचआइ ने ब्लैक स्पॉट चिह्नित करने और दुर्घटना आर्शिकत क्षेत्रों में ग्प निरे से डिजाईनिंग जैसे कदम उठाए हैं, लेकिन बात बन नहीं पा रही है। सामान्य सड़कों से लेकर राजमार्गों तक समाधान दूर की कोढ़ी बना हुआ है। कई जगह उचित साइनेज तो छोड़िए, लेन मार्किंग भी सही से नहीं हुई है। एक सवाल यह भी है कि जिन सड़कों पर संकेतक चिह्न हैं, क्या वाहन चालक वहां उनका

अनुपालन करते हैं। देखा जाए तो भारत में सड़कों का इन्फ्रास्ट्रक्चर उतनी बड़ी समस्या नहीं, जितनी सड़कों पर चलने को लेकर अनुशासनहीनता दिखती है। ऐसे में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की राज्यों की प्रक्रिया का सवाल के घेरे में आना व्याभाविक है। समय के साथ भारत में सड़कों की दशा और वाहनों की गति के मोर्चे पर व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं, लेकिन लाइसेंसिंग मानक कमोबेश जस के तस बने हुए हैं। जिस हिसाब से हाई स्पीड वाहन और एक्सप्रेसवे की संख्या बढ़ी है उसके अनुपात में लाइसेंसिंग प्रक्रिया समयानुकूल नहीं बन पाई है। देश के अधिकांश हिस्सों में ड्राइविंग टेस्ट के नाम पर महज खानापूती होती है, जिसमें एक सीमित हिस्से में गाड़ी को रिवर्स करने या उसे पार्किंग में लगाने जैसे कौशल परखे जाते हैं। तमाम आवेदकों को वास्तविक सड़क की परिस्थितियों, रात्रि ड्राइविंग, हाईवे मार्जिंग या इमरजेंसी रिस्पांस जैसी कसीटियों पर नहीं परखा जाता। इससे भी बदतर बात है कि तमाम लाइसेंस तो बिना किसी जांच-परख के ही जारी कर दिए जाते हैं जिसमें बिचौलिए रिश्तव के जरिए यह काम करा देते हैं। इस मोर्चे पर प्रशासनिक हीलाहवाली को दूर करना भी बहुत आवश्यक हो गया है। भारत की तुलना में विकसित देशों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया बहुत व्यापक एवं खरी है।

अनुपालन करते हैं। देखा जाए तो भारत में सड़कों का इन्फ्रास्ट्रक्चर उतनी बड़ी समस्या नहीं, जितनी सड़कों पर चलने को लेकर अनुशासनहीनता दिखती है। ऐसे में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की राज्यों की प्रक्रिया का सवाल के घेरे में आना व्याभाविक है। समय के साथ भारत में सड़कों की दशा और वाहनों की गति के मोर्चे पर व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं, लेकिन लाइसेंसिंग मानक कमोबेश जस के तस बने हुए हैं। जिस हिसाब से हाई स्पीड वाहन और एक्सप्रेसवे की संख्या बढ़ी है उसके अनुपात में लाइसेंसिंग प्रक्रिया समयानुकूल नहीं बन पाई है। देश के अधिकांश हिस्सों में ड्राइविंग टेस्ट के नाम पर महज खानापूती होती है, जिसमें एक सीमित हिस्से में गाड़ी को रिवर्स करने या उसे पार्किंग में लगाने जैसे कौशल परखे जाते हैं। तमाम आवेदकों को वास्तविक सड़क की परिस्थितियों, रात्रि ड्राइविंग, हाईवे मार्जिंग या इमरजेंसी रिस्पांस जैसी कसीटियों पर नहीं परखा जाता। इससे भी बदतर बात है कि तमाम लाइसेंस तो बिना किसी जांच-परख के ही जारी कर दिए जाते हैं जिसमें बिचौलिए रिश्तव के जरिए यह काम करा देते हैं। इस मोर्चे पर प्रशासनिक हीलाहवाली को दूर करना भी बहुत आवश्यक हो गया है। भारत की तुलना में विकसित देशों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया बहुत व्यापक एवं खरी है।

खुद को खम्भी करना

एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में हार्वर्ड विश्वविद्यालय को हासिल कर से मुक्त का दर्जा खत्म कर देने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के न सिर्फ व्यापक विद्यार्थी समुदाय, बल्कि कॉर्पोरेट अमेरिका एवं सैन्य-औद्योगिक परिसरों पर भी दृग्गामी असर होगा। ट्रंप प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि वह विदेशी विद्यार्थियों के दाखिले को रोक देगा। विदेशी विद्यार्थी हार्वर्ड (एमएजीए) वाले अमेरिकी विद्यार्थी समुदाय का लगभग एक तिहाई हिस्सा हैं। विश्वविद्यालय ने अपनी गतिविधियों पर संघीय सरकार के इस आधार पर दखलंदाजी भरे नियंत्रण को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है कि सरकार भारी अनुदान मुहैया करा रही है। ट्रंप प्रशासन के इस कदम की प्रत्यक्ष वजह हार्वर्ड और कोलंबिया में होने वाले गाजा युद्ध के खिलाफ तथाकथित वामपंथी, यहूदी विरोधी विरोध प्रदर्शन हैं, जिनकी छवि वामपंथी-उदारवादी की है। ऐसा जान पड़ता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अमेरिका को फिर से महान बनाएँ (एमएजीए) वाले आधार वर्ग को खुश करने में लगा है, जिसने पूर्वोत्तर के अभिजात वर्ग और उनके विश्वविद्यालयों के खिलाफ ऐतिहासिक रूप से शिकायतें पाली हैं और जिसका उदाहरण आईवी लीग में मिलता है। ये संस्थान शैक्षणिक मानकों के मामले में वाकई श्रेष्ठ हैं, लेकिन हार्वर्ड उदार छात्रवृत्ति के जरिए विविध सामाजिक-आर्थिक स्तर के विद्यार्थियों को दाखिला देता है। ट्रंप प्रशासन वैचारिक रूप से विविधता, समानता एवं समावेशन के सिद्धांतों का विरोध करता है और इस वजह से भी हार्वर्ड को निशाना बनाया गया है। लेकिन, हार्वर्ड के पास बहुत पैसा है और सत्ता के गलियारों में उसकी इतनी पकड़ है कि वह ट्रंप से ज्यादा वक्त तक टिक सकता है। ट्रंप द्वारा सरकार अनुसंधान निधि में की गई कटौती से अलबामा जैसे घोर रिपब्लिकन समर्थक राज्यों के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों सहित कई विश्वविद्यालय भी प्रभावित हुए हैं।

Is the Rs 500 note in your wallet real or fake? Look out for this small typo



New Delhi. Is the Rs 500 note in your wallet genuine or fake? That's the question the Ministry of Home Affairs (MHA) is now urging citizens to ask, after issuing a high-priority alert warning about the circulation of "high-quality" counterfeit currency in India. The MHA has flagged a surge in fake Rs 500 notes that are so well-made, even experienced handlers are finding it hard to detect them, reported .

HOW TO IDENTIFY?

The only visible clue lies in a subtle but telling typo: the phrase "Reserve Bank of India" has been misspelt as "Resarve Bank of India," with an 'A' replacing the 'E'. Officials familiar with the alert have described this error as "very subtle," and likely to escape notice unless checked carefully. Describing the situation as "high importance," the MHA has circulated this alert to key agencies such as the Directorate of Revenue Intelligence (DRI), Financial Intelligence Unit (FIU), Central Bureau of Investigation (CBI), National Investigation Agency (NIA), and Securities and Exchange Board of India (SEBI), along with all major banks and financial institutions.

To aid detection, a photograph of the suspected counterfeit note has also been distributed to banks and enforcement agencies. These institutions have now been placed on high alert.

With counterfeiters getting more sophisticated, the government is urging everyone—from cash handlers at banks to everyday citizens—to stay alert. The smallest spelling oversight could be the only thing standing between fake and real money. So the next time you're handed a Rs 500 note, take a moment. Look closely, especially at the spelling.

PM Modi AC Yojana 2025: Govt To Provide Free 5 Star AC? Here's The Truth Behind Viral Post



New Delhi. A news is going viral in the social media that says the government is all set to provide free air conditioners under PM Modi AC Yojana 2025 for which 1.5 crore 5-star ACs have been prepared. The message, that has been widely circulated in the social media says PM Modi AC Yojna 2025 will be launched in May and will provide free 5 star ACs for people who will apply ASAP. Due to this, there will be huge shortage of ACs in India as 1.5 crore have already been prepared. The message further says that after the government accepts request, people will get their ACs within 30 days.

Busting the fake message, The Press Information Bureau (PIB) has confirmed that the above claim is fake. No such scheme providing free 5- Star Air Conditioners has been announced by the MinOPower. A post being widely shared on social media claims that under a new scheme 'PM Modi AC Yojana 2025', the Government will provide free 5-star air conditioners and 1.5 crore ACs have already been prepared," PIB Fact check has tweeted.

FM Sitharaman Invites Global CEOs, Investors To Join India's Growth Story

San Francisco. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman met global CEOs, pension fund managers and other institutional investors here, and discussed the opportunity for collaboration in the domain of energy and sustainability, the Rs 1 lakh crore (\$12 billion) corpus private sector-driven research, development, and innovation scheme, and GIFT-IFSC, among others.

In the presence of Finance Secretary Ajay Seth and Vinay Mohan Kwatra, Ambassador of India to the US, the Finance Minister listened to their views on the reforms pursued by the Indian government, and gave feedback and observation on the existing policy framework.

They spoke about their keen interest and commitment for a deeper and broad-based investment collaboration between the US and India and shared feedback on how to further facilitate and enhance the investment experience.

The Union Minister thanked the participants for their valuable feedback and suggestions. In her one-on-one meetings with top CEOs, FM Sitharaman discussed opportunities in the fields of AI, Cloud and digital infrastructure. Jonathan Siddharth, CEO of Turing, expressed his desire to see India at the forefront of AI revolution and spoke about working in the domain of AI with India and through Indian contributors to create a sovereign model that can serve as a template for the world. The Finance Minister highlighted policy framework that has been put in place by India for AI, and encouraged Siddharth to explore opportunities for collaboration and fruitful engagement.

China's gold ATM melts jewellery and sends money in 30 minutes. Check here

The gold ATM, which is set up in China's Shanghai, melts gold, checks its purity and weight, and transfers the value to your bank account.

New Delhi. China's gold ATM is grabbing attention not just in Shanghai, but around the world. This gold ATM, which is set up in Shanghai, melts gold, checks its purity and weight, and transfers the value to your bank account. The ATM, run by China's Kinhood Group, accepts gold items weighing over three grams



and with at least 50% purity. It melts the gold, checks its quality and weight, and then transfers the equivalent value straight to the seller's bank account within 30 minutes. No paperwork or ID is needed.

Thanks to rising gold prices, people are

lining up to cash in their old jewellery, reports mention. The demand is so high that users now need to book a slot to use the machine. Reports say all appointments are booked till May, reflecting its strong demand, as per Chinatimes.com.

In one demonstration, a 40-gram gold chain fetched 785 yuan (around Rs 9,200) per gram. The total payout? Over 36,000 yuan, or Rs 4.2 lakh, credited to the seller's account in half an hour, according to the publication. Harsh Goenka, Chairman - RPG Enterprises, wrote on X, "Gold ATM in Shanghai: Drop your jewellery, it checks purity, melts it, calculates value, and credits your account instantly."

He added that this technology may become a threat to gold lenders in India. "If this comes to India, traditional gold lenders might need a new business model. Transparency in. Exploitation out," Goenka mentioned. Meanwhile, this gold ATM in China is more than just a fancy machine; it's a sign of changing times. With rising gold prices and growing interest in quick, transparent transactions, the machine signals a move towards smarter, paperless solutions that blend traditional wealth with modern convenience.

Flipkart plans to relocate holding company to India from Singapore

BENGALURU. Walmart-owned ecommerce major Flipkart to shift its domicile back to India from Singapore. This comes ahead of its potential IPO plan, and the ecommerce giant is the latest company to do 'reverse flipping' after PhonePe, Razorpay, Groww and Zepto. In a statement, Flipkart said, this strategic decision reflects our deep and unwavering commitment to India and its remarkable growth. "We are inspired by the Government of India's strong vision and proactive initiatives in fostering a thriving business environment and ease of doing business, which have significantly shaped our journey. This move represents a natural evolution, aligning our holding structure with our core operations, the vast potential of the Indian economy and our technology and innovation-driven capabilities to foster digital transformation in India," It said.

"As a company born and nurtured in India, this transition will further



enhance our focus and agility in serving our customers, sellers, partners, and communities to continue contributing to the nation's growing digital economy and entrepreneurship. We are excited by the opportunities ahead and reaffirm our long-term confidence in India's future," the e-commerce firm added. Earlier this year, quick commerce firm Zepto completed its reverse merger from Singapore to

India. Another Walmart-backed company PhonePe in 2022 moved its domicile to India from Singapore and its investors had paid Rs 8,000 crore in taxes to shift.

Last year, fintech start-up Groww moved its parent entity, Groww Inc, from Delaware to Bengaluru. According to reports, it paid about Rs 1,340 crore tax for domicile shift.

Amazon, Walmart's Flipkart may gain from US push in India trade deal: Report

NEW DELHI. Amazon and Walmart could emerge as key beneficiaries of the evolving India-US trade talks, with Washington expected to press New Delhi for greater access to the country's \$125 billion e-commerce market, the Financial Times reported on Tuesday.

Citing industry executives, lobbyists, and US officials, the report said the Trump administration is gearing up to push Prime Minister Narendra Modi's government for a level playing field in the e-commerce space—one that allows American giants like Amazon and Walmart more flexibility than current rules permit. India currently imposes restrictions on foreign-owned online



retailers, including bans on holding inventory and selling directly to consumers. Domestic players like Reliance, by contrast, face no such constraints, giving them an edge in both online and offline retail.

The trade talks are expected to cover a broad range of sectors—from food

and automobiles to digital commerce. While specific US demands on e-commerce have not been disclosed, negotiators are hoping to iron out a deal within the 90-day tariff truce announced by President Trump on April 9 for key trading partners, including India.

US Vice President JD Vance also met with Prime Minister Modi on Monday, signalling a diplomatic push toward sealing the agreement.

Neither Amazon nor Walmart have commented on the developments, and India has yet to outline its position publicly. However, New Delhi is seen to be prioritising the deal to stave off potential tariffs and preserve its export competitiveness.

RBI allows minors above 10 to operate bank accounts

Banks have been given the flexibility to set the rules for these accounts based on their own risk management policies. This includes setting limits on the amount of money that can be kept in such accounts and deciding on the terms and conditions.

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) has announced new rules that allow children above the age of 10 years to open and operate their own savings or term deposit bank accounts independently. This rule applies to all commercial banks and cooperative banks, including primary (urban) cooperative banks, state cooperative banks, and district central cooperative banks. The central bank released a circular on Monday explaining the updated rules. This move comes after a review of the older guidelines, which were first issued many years ago. The RBI has now simplified and combined the rules for opening and running deposit accounts for minors.

MINORS CAN OPEN ACCOUNTS



ON THEIR OWN
"Minors of any age may be allowed to open and operate savings and term deposit accounts through his/her natural or legal guardian," said RBI in its release. As per the new rule, any minor, regardless of age, can open a savings or term deposit account through their natural or legal guardian. However, minors who are at least 10 years old can now open and manage these accounts on their own, if they wish to do so.

Banks have been given the flexibility to set the rules for these accounts based on

their own risk management policies. This includes setting limits on the amount of money that can be kept in such accounts and deciding on the terms and conditions. These terms must be clearly shared with the young account holder.

RULES WHEN A MINOR TURNS 18

Once a minor turns 18 and becomes an adult, the bank must collect fresh account operating instructions and a new specimen signature. If the account was earlier operated by a guardian, the bank must also confirm the account

balance. Banks have been asked to take action ahead of time and inform the account holders well in advance so that there is no delay in updating the account details after the account holder turns 18.

Banks are also free to offer more banking services to minor account holders. These can include internet banking, ATM or debit cards, and cheque books. However, these services can be offered only after the bank reviews its risk management rules and confirms that the products are suitable for young users.

RBI has made it clear that accounts of minors, whether operated independently or by a guardian, must not be allowed to go into overdraft. This means the account balance should always remain positive. Banks must ensure that there is no loan or negative balance in such accounts.

Banks are required to follow all Know Your Customer (KYC) rules when opening accounts for minors. This includes doing proper checks while opening the account and continuing to verify the account over time. These rules are part of the Master Direction on KYC issued by the RBI in February 2016, which has been updated from time to time. All banks must update or create their internal policies in line with the new RBI guidelines by July 1, 2025.

Shocks the conscience: Delhi High Court raps Ramdev over 'sharbat jihad' remarks

The Delhi High Court slammed Baba Ramdev for his communal remarks against Hamdard's Rooh Afza, calling them "indefensible" and "shocking." Ramdev had accused the company of funding madrasas and mosques, prompting legal action from Hamdard.

New Delhi. The Delhi High Court on Tuesday expressed strong displeasure with Baba Ramdev's recent comments that used terms such as "sharbat jihad" to target the popular drink Rooh Afza. The "indefensible" comments shock the "conscience of court", the Delhi High Court said as it heard a plea by Rooh Afza-maker Hamdard against Baba Ramdev's comments. The comments in question were made earlier this month when Baba Ramdev launched Patanjali's rose sharbat. During the launch, Baba Ramdev said, "There's a company that gives you sharbat, but the money it earns is used to construct madrasas and mosques." While he did not name Hamdard or Rooh Afza, his comments were widely understood to have been directed at the popular drink. "If you drink that sharbat, madrasas and mosques will

be built. But if you drink this [referring to Patanjali's rose sharbat], gurukuls will be built, Acharya Kulam will be developed, Patanjali University will expand, and the Bharatiya Shiksha Board will grow." Following the remarks, the company moved to the High Court against Baba Ramdev. "Just like there is love jihad, this is also a kind of sharbat jihad. To protect yourself from this sharbat jihad, this message must reach everyone," Baba Ramdev had also said, prompting Hamdard to file a petition against the comments. Senior Advocate Mukul Rohatgi, who appeared for Hamdard in the Delhi High Court on Tuesday, said, "This is a case which is shocking, which goes



beyond disparagement. This is a case of creating a communal divide, akin to hate speech. It will not have protection from the law of defamation." He also compared other sharbat brands to "toilet cleaners," saying, "Protect your family and innocent children from the poison of toilet cleaners being sold as soft drinks and sharbat Jihad. Choose only Patanjali

sharbat and juices," the brand declared on social media. This isn't the first time Baba Ramdev and Patanjali have come into controversy. Over the past two years, Patanjali and its founders have faced several legal challenges due to their advertisements. The matter escalated nationally after the Indian Medical Association (IMA) filed a plea against Patanjali Ayurved, leading the Supreme Court to impose a temporary ban on its ads and issue contempt notices over misleading claims. In January, a Kerala court issued bailable warrants against Baba Ramdev and Acharya Balkrishna after they failed to appear in a case concerning misleading ads by Divya Pharmacy. A similar case was also registered in Kozhikode.

10 cyclists killed, 21 hurt in three months in national capital

NEW DELHI. In the first three months of 2025, Delhi has witnessed 28 road accidents involving cyclists, claiming 10 lives and injuring 21 others, official data showed on Sunday. According to the data shared by the police, the city recorded 18 cases of simple accidents and 10 related to fatal accidents till March 31, 2025. The data further mentioned that a total of 149 accidents — 96 simple and 53 fatal — were reported last year, in which 53 people lost their lives and 106 were injured. Similarly, 30 cyclists died in 2023 and 118 were injured in 141 accidents — 112 simple and 29 fatal. The data also showed that the fatality in 2022 was 43 per cent higher than in 2023. A total of 48 cyclists died in 2022 and 134 were injured in 170 accidents. In 2021, the data showed that 45 cyclists lost their lives, while 123 were injured in 147 accidents. In one of the incidents in March, a 19-year-old Delhi University student, who worked as a newspaper vendor, died when his bicycle was hit by a vehicle in Rohini. The deceased was identified as Rishal Singh, a resident of Budh Vihar. The incident took place at a red light near the RTO office on the dividing road between Rohini Sectors 15 and 16. Rishal, who was pursuing his graduation, used to work as a newspaper distributor in the morning. He earned around Rs 12,000 monthly to fund his education and support his family. The police data also showed that 1,551 people died in 5,657 accidents across six ranges — Central, Northern, Eastern, New Delhi, Southern, and Western — last year. The Northern range witnessed the highest number of deaths, with 398 fatalities in 1,305 accidents, followed by the Western range with 343 deaths in 1,247 accidents, Eastern range with 237 deaths in 894 accidents, Central range with 214 deaths in 683 accidents, New Delhi with 191 deaths in 692 accidents, and Southern range with 168 deaths in 836 accidents.

Twist In Air Force Officer's Assault Case In Bengaluru

New Delhi. In a twist, after a couple serving in the Indian Air Force was assaulted in Bengaluru, a new video has emerged showing one of them thrashing the alleged attacker. Both sides attacked each other, cops have confirmed, suggesting it was not one-sided violence. Deputy Commissioner of Police (East) Devraj D clarified that it was not a case of Kannadigas vs non-Kannadigas, as claims emerged on social media when the video went viral. The development comes after Wing Commander Shiladitya Bose posted a video, with blood on his face and neck, narrating the incident. The accused has also filed a counter-complaint against the Air Force officer. Yesterday, Wing Commander Bose alleged that "A bike came from behind and stopped our car... the guy started abusing me in Kannada. When they saw the DRDO sticker on my car and said 'You DRDO people', and they abused my wife and me, I couldn't bear it. The moment I got out of my car, the biker hit me with a key on my forehead, and there was blood." Read more: "God Help Us": Air Force Officer Assaulted, Wife Abused In Bengaluru The officer's wife, Squadron Leader Madhumita Bose, was taking her husband to the airport early morning from DRDO Colony in Bengaluru's CV Raman Nagar. The video went viral, but initially it was unclear what triggered the assault. A new video has emerged showing the accused, Vikas Kumar, and the officer attacking each other on a pavement in Bengaluru. The accused, in a green neon jacket, was pushed by the officer, who grabbed his neck while his wife was trying to stop him. Bystanders on the footpath intervened to stop the fight, talking to Wing Commander Bose. The accused was seen calling someone, after which the officer punched him.

Hit Job Disguised As Crime Of Passion: Delhi Cops Crack Woman's Murder Case



Delhi. The murder of a 20-year-old woman in Delhi's GTB Enclave, which had first appeared to be a spurned lover's crime of passion, has now been found to be a cold-blooded hit job. Sayra Parveen was shot dead on April 14 when she stepped out after dinner. Her bloody body with two bullet injuries was found on a road when her family started looking for her. Police scanned the footage of the area's CCTV cameras and identified a suspect. He was later arrested. Rizwan told the police that he wanted to marry Sayra, but she had rejected his proposal and asked him to stay away. Upset over this, he shot her dead. On the face of it, the murder appeared to be a spurned lover's attack on a woman. But further questioning revealed a sinister plan linked to another crime. About four months back, some men were heckling Sayra in Nand Nagri in East Delhi. A passerby, Rahul, saw this and rushed to help. An altercation broke out between Rahul and those harassing Sayra. This face-off turned physical and Rahul was killed. In the investigation that followed, Sayra was named a key witness in the murder case. Prashant Gautam, Deputy Commissioner of Police for Shahdara, said Rahul's uncle Kishan blamed Sayra for Rahul's death. He believed that she did not get into an altercation that day, Rahul would not have intervened and would not have been killed. According to police, Kishan and Firoz also suspected Sayra was becoming friends with some of the accused and may turn hostile in court and her statement may weaken the case. They plotted her murder and started looking for someone who could pull the trigger. This is where Rizwan came in. The 20-year-old has told the police that he wanted to be a "dada" of the area and took up the job to prove himself. Rizwan first befriended Sayra on social media and started chatting. They then decided to meet. April 14 was their third meeting. This time, Rizwan spotted an opportunity and shot Sayra dead, also arranged a pistol and four bullets for the murder.

Schools refusing to promote pupils of Classes 6, 7 violation of RTE: Parents

NEW DELHI. Parents and activists have alleged that several prominent schools in the national capital allegedly held back students in classes 6 and 7, in stark violation of the Right to Education Act (RTE) of 2009. The Ministry of Education's Department of School Education and Literacy notified guidelines on 'Examination and Holding Back in Certain Cases' in December 2024, after the 2019 amendment to RTE Act. Educationist and advocate Ashok Agarwal, president of the All India Parents' Association (AIPA), said, "The amended rules allow schools to detain students in classes 5 and 8 only, that too after giving them additional opportunity for re-examination within two months from the date of declaration of results. There was no detention policy till Class 8 before the amendment. However, the government



revised the act to include a provision for detention in Class 5." Several parents complained over the issue, alleging that schools asked their children to either repeat a year in classes 6 or 7, or take a school-leaving certificate. "My son is in Class VI and we have been told that if he does not clear the re-exam scheduled in May, he will not be promoted to the next class. But norms say that students cannot be detained in classes other than 5 and 8. My son couldn't score well due to bad

health this year," a Gurugram-based parent said. According to Ashok Ganguly, former chairman of the Central Board of Secondary Education, the RTE Act, the National Education Policy, and the National Curriculum Framework prohibits any school from refusing promotion to a student in classes 6 and 7. Amendment enables schools to hold back Class 5, 8 students In December 2024, the Centre had amended the Right of Children to Free and Compulsory Education (RTE) Rules, 2010, giving state governments power to conduct regular exams for students in classes 5 and 8, with the provision to hold them back if they fail. This marked a departure from the long-standing 'no-detention' policy, a cornerstone of the educational framework since the enactment of Right to Education Act in 2009.

Hospitals must report heat illness: Delhi government

NEW DELHI. The Delhi government on Monday unveiled a comprehensive heat action plan to combat the increasing health risks associated with extreme heat. In a significant move, all hospitals have now been directed to mandatorily report cases of heat-related illnesses (HRIs), a step aimed at strengthening surveillance and enabling timely medical interventions. Under the new guidelines, all government healthcare facilities across the city (Primary Health Centres, Community Health Centres, district hospitals and medical colleges) will be required to set up dedicated wards and earmark beds specifically for patients suffering from heatstroke. As per the action plan, these wards are to be located in cooler areas of the hospitals and equipped with essential supplies like ice packs, thermometers, blood pressure apparatus, oral rehydration salts (ORS), intravenous fluids, and cooling equipment such as fans and air conditioners.



The action plan also includes instructions for hospitals to stock crucial medicines including lorazepam and diazepam, and ensure the availability of silver sulphadiazine cream, calamine lotion, and other skin treatments to manage heat-related skin issues. Ambulances have also been equipped with cold water and ice packs for emergency cooling during transport. Health experts said heat-related illnesses are largely preventable but can prove fatal if not identified and managed quickly. "Heat stroke and heat exhaustion are the two most dangerous conditions. Older adults, young children, and people with chronic

medical conditions are at high risk for heat-related illness and death," said Dr Vikram Jeet Singh, Senior Consultant, Internal Medicine, Aakash Healthcare. Summer heat waves can present serious risks to human health in the form of heat-related illnesses, including heat rashes, fainting, heat exhaustion, and heat stroke. If not managed immediately, they can lead to serious and potentially fatal outcomes. Conditions like heat exhaustion can rapidly progress to heat stroke, which is a medical emergency. Without prompt treatment, heat stroke can cause damage to vital organs such as the brain, heart, kidneys, and muscles. This can result in long-term complications, permanent disability, or even death. Delayed intervention also increases the risk of shock and multi-organ failure," the doctor said. Dr Singh recommended the public to monitor their hydration levels. "A good rule of thumb is looking at your urine. If it's relatively clear, you're reasonably well-hydrated," the doctor added.



Vaidyanathan Shankar, in which a next hearing date had been assigned but no orders were drawn, shall be re-listed and heard afresh before the roster bench," the court said in its official notice. This move follows the recent transfer of Justice Yashwant Varma from the Delhi High Court to the Allahabad High Court. His transfer has sparked controversy due to serious allegations against him. His name came up in an investigation after semi-burnt sacks allegedly containing large amounts of cash were found at his residence during a fire on March 14. The Supreme Court launched an inquiry into the matter and has kept the findings sealed. The report is not accessible to the public or to Parliament. A three-judge panel has been set up by the top court to investigate further. Justice Varma was known for handling major constitutional and corporate law cases. His sudden transfer and a private swearing-in ceremony at the Allahabad High Court, instead of a formal public event, have added to the concerns around his exit.

Situation gone from bad to worse: Supreme Court on child trafficking

The court also issued a stern reminder to the authorities about the urgency of tracing the missing children and arresting those behind the racket.

NEW DELHI. The Supreme Court on Monday expressed grave concern over the deteriorating state of child trafficking in the national capital, observing that the "situation seems to have gone from bad to worse." A bench comprising justices J B Pardiwala and R Mahadevan made the observations while hearing a case related

to the trafficking of several newborns in Delhi's Dwarka area. The court was interacting with a Delhi Police inspector entrusted with investigating the case. The bench pulled up the police over their failure to apprehend the alleged kingpin, Puja and directed the station concerned to take immediate and effective steps to arrest her and recover three missing infants. "The situation seems to have gone from bad to worse," Justice Pardiwala said, while expressing concern over the alleged involvement of parents in trafficking. "You never know where these children will land up. In the case of a girl child, you know where she lands." The court also issued a stern reminder to the authorities about the urgency of tracing the missing children and arresting those behind the racket. "You have to find these



missing children at any cost and arrest the kingpin," the bench said during the hearing. On April 15, the apex court had dealt with a similar case involving interstate child trafficking. In that matter, it had cancelled the bail of 13 accused, emphasising that the "cry of the collective for justice, its desire for peace and harmony" could not be trivialised. In the present case, the court reiterated its commitment to ensuring the protection and welfare of trafficked children. It

directed the government to admit all rescued children into schools under the Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009, and ensure continued support for their education. The court also reflected on the broader patterns of child trafficking across India, noting that the problem is not only widespread but evolving. "An overall analysis of trafficking patterns across states reiterates the prevalence of trafficking in large numbers, with the number of cases sharply rising with time," the bench observed. Of particular concern, it said, was the emergence of previously unknown trafficking factors. "Changing trafficking patterns have brought changes in traffickers, their modus operandi, their manipulation of the victims and their understanding of time limitations in the criminal justice system," the top court added.

NEWS BOX

Justice will be done': FBI Director Kash Patel on arrest of terrorist Harpreet Singh in US

NEW YORK. Kash Patel, FBI Director, has assured that justice will be done, following the arrest of Gangster-turned-terrorist Harpreet Singh in the US. Singh alias Happy Passia alias Jora, wanted in connection with multiple terror attacks across Punjab and who is alleged to have collaborated with Pakistan's ISI and Khalistani group BKI, was arrested in the US on April 18 by the Federal Bureau of Investigation (FBI) and US Immigration and Customs Enforcement's Enforcement and Removal Operations in Sacramento. "CAPTURED: HARPREET SINGH, part of an alleged foreign terrorist gang here illegally in the United States, who we believe was involved in planning multiple attacks on police stations both in India and the United States. @FBI_Sacramento conducted the investigation, coordinating with our partners locally as well as in India," Indian-American Patel said in a post on X on Monday. "Excellent work from all, and justice will be done. The FBI will continue finding those who perpetrate violence no matter where they are," the first Indian-American to lead the premier law enforcement agency of the United States said in the post. Singh is suspected to have collaborated with Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI) and the Khalistani terrorist group Babbar Khalsa International (BKI). "He had been evading capture by using untraceable burner phones and encrypted applications. This case reinforces the importance of international cooperation in apprehending those who threaten global security," FBI Sacramento said on April 18. In January, India's National Investigation Agency (NIA) announced a cash reward of Rs 5 lakh on gangster Harpreet. Harpreet, a native of Ajnala tehsil in Amritsar, Punjab is wanted in a case of a hand grenade attack on a house in Chandigarh. Singh is an absconder in the case registered on October 1, 2024, in connection with the hand grenade attack carried out on a house in Sector 10/D, Chandigarh.

Gaza rescue service dismisses Israeli probe into killing of medics as a 'fabricated investigation'

CAIRO. The main Palestinian rescue service in Gaza on Monday condemned Israel's probe into the killings of 15 medical workers last month, calling it a "fabricated investigation." The army announced the results of its investigation on Sunday, saying it had found "professional failures" and dismissing a deputy commander in what it described as an accident.

A total of 15 people were killed in the March 23 incident — including eight medics with the Palestinian Red Crescent Society, six members of the Hamas government's Civil Defense unit and a United Nations staffer. Troops bulldozed over the bodies along with their mangled vehicles, burying them in a mass grave. U.N. and rescue workers were only able to reach the site a week later. In a statement, the Palestinian Red Crescent Society said the investigation underscores "the occupation's persistence in shielding the truth from the world."

It accused Israel of making "fallacious allegations" that medical rescue teams are part of Hamas and asked why Israel continues to detain a paramedic who survived the attack. "We call on the international community to abstain from validating the results of the occupation's fabricated investigation," it said.

Israel at first claimed the medics' vehicles were acting suspiciously and did not have emergency signals on when troops opened fire. But the army later backtracked after cellphone video recovered from one medic showed the ambulances had lights flashing and logos visible as they pulled up to help another ambulance that earlier came under fire.

The military said six of those killed were Hamas militants, but has given little evidenced to support the claim. The shootings outraged many in the international community, with some calling the killings a war crime.

Pope's frequent calls to Catholic church made him revered figure in war-battered Gaza

GAZA. DEIR AL-BALAH, Gaza Strip: In the last 18 months of his life, Pope Francis had a frequent evening ritual: He would call the lone Catholic church in the Gaza Strip to see how people huddled inside were coping with a devastating war. That small act of compassion made a big impression on Gaza's tiny Christian community and was why he was remembered at his death Monday as a beloved father figure in the beleaguered territory.

"I was deeply saddened. He was our biggest supporter after God," said Suheil Abu Dawoud, a 19-year-old Christian in Gaza. Francis "always healed our wounds and asked us to be strong," he said. "He was always praying for us."

In his last public appearance, Francis called for a ceasefire between Israel and the Hamas militant group. A fervent advocate of interfaith relations, he also urged Hamas to release the dozens of Israeli hostages it is holding and condemned growing global antisemitism.

In his Easter message, Francis expressed his "closeness to the sufferings of Christians in Palestine and Israel and to all the Israeli people and the Palestinian people." While noting the growing antisemitism, he added: "I think of the people of Gaza and its Christian community in particular, where the terrible conflict continues to cause death and destruction and to create a dramatic and deplorable humanitarian situation."

Jury picked for US actor Harvey Weinstein

MeToo retrial: 7 women, 5 men on panel

Opening statements expected
Wednesday, final alternates pending
Jury includes diverse professionals
from Manhattan
Weinstein faces retrial after 2020
conviction overturned

New York. A jury of seven women and five men has been picked for Harvey Weinstein's #MeToo rape retrial, a more female panel than the five women and seven men who convicted the onetime Hollywood honcho at his first trial five years ago. Opening statements aren't expected until Wednesday, as prosecutors and defence lawyers still need time to finish picking the last of six alternate jurors – those who step in if a member of the main panel can't see the trial through. Drawn from Manhattan's jury pool, the 12 members of the main jury include a physics

researcher, a photographer, a dietician, an investment bank software engineer, a retired city social worker, and more. After nine jurors were picked last week, three others and five alternates were tapped Monday during a marathon fourth day of jury selection. They and other prospective jurors were quizzed about their backgrounds, life experiences and various other points that could relate to their ability to be fair and impartial about the highly publicised case. "You may hear sexual allegations here of a salacious nature — graphic, perhaps. Would hearing that indicate that Mr. Weinstein must be guilty?" defence attorney Mike Cibella asked one prospective juror.

The woman, who ultimately was chosen, answered no.

Potential jurors had been questioned privately about their knowledge of the case and opinions about Weinstein, and some

The woman, who ultimately was chosen, answered no. Potential jurors had been questioned privately about their knowledge of the case and opinions about Weinstein, and some



people we excused after those queries behind closed doors. Still, when the questioning moved into open court, prosecutor Shannon Lucey sought assurances that prospective jurors could put aside any position or feelings they had about the #MeToo movement. It was catalysed in 2017 by a raft of sexual misconduct allegations against Weinstein, then a high-flying movie producer and one of the most powerful people in his industry. "Is there anyone who is going to think of the

movement and think, 'OK, that's just something that I have to keep in the back of my mind when I'm deciding this case'? Everyone can put that aside?" Lucey asked a group of 24 possible jurors. All indicated they could do so. Weinstein is being tried again on rape and sexual assault charges after New York's highest court last year overturned his 2020 conviction and 23-year prison sentence. The Court of Appeals found that his trial had been tainted by improper rulings and prejudicial testimony. Weinstein, 73, has pleaded not guilty and denies raping or sexually assaulting anyone. The retrial involves charges that he raped an aspiring actor in a Manhattan hotel room in 2013 and committed a criminal sex act by forcing oral sex on a movie and TV production assistant in 2006. He also is charged with another criminal sex act count, based on an allegation from a woman who was not a part of the original trial. She alleges that Weinstein forced oral sex on her at a

Columbia activist's wife gives birth, says husband denied release to be present

world. Noor Abdalla, the wife of jailed Columbia University graduate and Palestinian activist Mahmoud Khalil, has announced the birth of their son. On Monday evening, Noor released a statement saying, "I welcomed our son into the world earlier today without Mahmoud by my side. Despite our request for ICE to allow Mahmoud to attend the birth, they denied his temporary release to meet our son. This was a purposeful decision by ICE to make me, Mahmoud, and our son suffer." Mahmoud is currently being held in a detention centre in Louisiana, over 1,000 miles away from the New York hospital where Noor gave birth. The Department of Homeland Security denied his request to temporarily release him for the birth. Mahmoud was only able to witness this experience via phone. Abdalla, a 28-year-old New



York dentist, and her newborn baby boy, both are in good health.

NOOR VOWS TO FIGHT FOR JUSTICE

Noor has been vocal about her husband's case since his arrest. She stated that the government is targeting Mahmood due to his activism in favour of Palestinian rights. Abdalla, who is an American-born citizen and raised in Michigan. Her parents immigrated to the US from Syria approximately 40 years ago.

"The Trump administration is trying to silence those who speak up for Palestinian rights," she said earlier this month. "We will not be silenced. We will persist, with even greater resolve, and we will pass that strength on to our children and our children's children – until Palestine is free." Despite welcoming her child without Mahmoud, Noor says she won't stop fighting for her husband's freedom. "I will continue to fight every day for Mahmoud to come home to us," she said. "I know when Mahmoud is freed, he will show our son how to be brave, thoughtful, and compassionate, just like his dad." Khalil was detained on 8 March on the basis that he is deemed to be a threat to US foreign policy. Earlier this month, an immigration judge ruled that Khalil can be deported from the United States.

Downtown Houston Courthouse shootout leaves deputy, suspect wounded

**Man opens fire on deputies at
Houston courthouse
Veteran deputy injured but
saved by bulletproof vest
Suspect armed with two
handguns, shot by deputies**

Carl Shaw of the Precinct 1 Constable's Office said deputies began pursuing the man when he was spotted with a weapon near the courthouses in downtown Houston — an area that typically sees thousands of visitors daily for court hearings and jury duty. The suspect, who has not yet been

The suspect, who has not yet been



identified, was armed with two handguns when he was shot by deputies, Rosen said. Sheila Jones, a veteran deputy with 30 years in law enforcement, was shot on her left side during the confrontation but avoided life-threatening injuries thanks to her bulletproof vest. "She's tough. That

vest saved her life," Rosen said. "We're incredibly thankful." Both Jones and the suspect were taken to area hospitals and were listed in stable condition as of Monday afternoon. Authorities say the suspect was being charged with one count of aggravated assault on a peace officer, but more charges were expected against him. No other injuries were reported. Five deputies were involved in the encounter with the suspect, and investigators are trying to determine how many of them fired their weapons, Rosen said. At least one building near the shooting had a bullet go through one of its windows. The injured deputy has been in law enforcement for 30 years and previously worked for the Harris County Sheriff's Office. The identity and motive of the suspect remain under investigation.

Harvard sues Trump administration to stop the freeze of more than \$2 billion in grants

Harvard's suit called the funding freeze "arbitrary and capricious," saying it violated its First Amendment rights and the statutory provisions of Title VI of the Civil Rights Act.

BOSTON. Harvard University announced Monday that it has filed suit to halt a federal freeze on more than \$2.2 billion in grants after the institution said it would defy the Trump administration's demands to limit activism on campus. In an April 11 letter to Harvard, the Trump administration had

called for broad government and leadership reforms at the university and changes to its admissions policies. It also demanded the university audit views of diversity on campus and stop recognizing some student clubs. The administration has argued universities allowed antisemitism to go unchecked at campus protests last year against Israel's war in Gaza. Harvard President Alan Garber said the university would not bend to the demands. Hours later, the government froze billions of dollars in federal funding. Students, faculty and members of the Harvard University community rally, Thursday, April 17, 2025, in Cambridge, Mass. Trump administration takes aim at Harvard's international students and tax-exempt status "The Government has not — and cannot — identify any rational connection between antisemitism concerns and the medical, scientific, technological, and other research it has frozen that aims to save American lives, foster American success, preserve American security, and maintain

America's position as a global leader in innovation," said the lawsuit, filed in Boston federal court. "Nor has the Government acknowledged the significant consequences that the indefinite freeze of



billions of dollars in federal research funding will have on Harvard's research programs, the beneficiaries of that research, and the national interest in furthering American innovation and progress," it added. Harvard's suit called the funding freeze "arbitrary and capricious."

saying it violated its First Amendment rights and the statutory provisions of Title VI of the Civil Rights Act. Within hours, the White House lashed back: "The gravy train of federal assistance to institutions like Harvard, which enrich their grossly overpaid bureaucrats with tax dollars from struggling American families is coming to an end," White House spokesman Harrison Fields said in an email Monday. "Taxpayer funds are a privilege, and Harvard fails to meet the basic conditions required to access that privilege." For the Trump administration, Harvard presents the first major hurdle in its attempt to force change at universities that Republicans say have become hotbeds of liberalism and antisemitism. A part of that is targeting research funding which has fueled scientific breakthroughs but has become an easy source of leverage for the Trump administration. In its letter earlier this month, the administration told Harvard to impose tougher discipline on protesters and.

Mark Carney urges strong mandate to counter Trump, liberals leading April 28 polls

Canadian Prime Minister Mark Carney, ahead in polls in the run-up to an April 28 election, renewed calls on Monday for voters to give him a strong mandate to deal with US President Donald Trump's tariff threat. Carney says Trump's tariffs and talk of annexation pose a huge threat and mean that Canada needs to reduce its reliance on the United States and restructure its economy. "We need a government that has a strong mandate, a clear mandate. We need a government that has a plan that meets the moment," Carney said during a campaign event in Charlottetown in the Atlantic province of Prince Edward Island. The 60-year-old ex-central banker, who had no prior political experience before running to become Liberal leader earlier this year, billed himself as "someone who knows how to negotiate ... (and) how to manage a crisis."

The Liberal platform, which promises additional spending of around Canada\$130 billion over the next



four years, predicts that the 2025/26 deficit will be Canadian \$62.3 billion, far higher than the Canadian \$42.2 billion forecast in December.

Carney replaced Justin Trudeau, who had been in power for more than nine years and was the focus of opposition attacks about inflation, high immigration levels and a housing crisis. The official opposition Conservatives had been 20 points ahead at the turn of the year but now trail the Liberals. A rolling three-day Nanos poll released on Monday put the Liberals on 43.7 per cent public support with the Conservatives on 36.3 per cent. The left-leaning New Democrats, who compete with the Liberals for the center-left vote, trailed at 10.7 per cent

If repeated on election day, that would give the Liberals a majority of the 343 seats in the House of Commons.

Elections Canada said a record 2 million people had cast their ballots in the first of day of advance voting on Friday, which was a national holiday. Around 28 million Canadians are registered to vote. Voter turnout in federal elections from the 1950s to the early 1990s ranged between 70 per cent and 80 per cent, but it has gradually declined. In the 2021 election, only 62.3 per cent of eligible voters cast ballots. Ipsos Public Affairs CEO Darrell Bricker said the advance polls could indicate that overall turnout will be higher, or merely reflect parties' efforts to boost early voting.

NEWS BOX

IPL 2025: KL Rahul helping plot plans against LSG, reveals Vipraj Nigram

New Delhi Delhi Capitals' Vipraj Nigam has said that the team will be using KL Rahul's insights for the game against Lucknow Super Giants on Tuesday, April 22. Rahul was the captain of LSG till last season and guided them to the playoffs in 2022 and 2023. Most of the players in the current, including the likes of Nicholas Pooran and Avesh Khan played under the 33-year-old over the past few seasons.This will be the first time Rahul will be playing against LSG since leaving the franchise after not being retained ahead of the IPL 2025 auction. Speaking at the pre-match press conference, Nigam said that Rahul's knowledge of the LSG players will be helpful and they do discuss about it during team meetings.

"Not specifically for this match, but I do get advice from seniors in every game on how to perform better. Regarding Rahul bhaiya, yes, he helps, especially since he's played with some players who were part of Lucknow last year and are still with them this year. So in our team meetings, we definitely discuss that—it really helps when someone has that insight about the opposition's bowlers and



batters," said Nigam.Speaking about Faf du Plessis' availability, Nigam said that the South African batting is recovering well but the final call will be taken by the team management.“He is recovering well but the final call will be taken by the management,” said Nigam.

'Consider myself an all-rounder'

Speaking about his role in the team, Nigam said that he considers himself to be an all-rounder and wants to make contributions with bat and ball whenever required.

“I consider myself an all-rounder. I have to make contributions with the ball and also with the bat whenever required,” said Nigam.Nigam also talked about the pressure of playing in front of his home crowd and said that it just adds up when playing in front of family and coach.

Steve Waugh on Rohit Sharma's future as Test captain: Can't be complacent or relaxed

New Delhi Former Australia cricketer Steve Waugh has said that it's up to Rohit Sharma to decide if he wants to play Test cricket for India. Rohit's Test future is in question following the team's failure to qualify for the World Test Championship (WTC) Final for the first time, under his leadership. India lost back-to-back series against New Zealand and Australia, which crushed their hopes for a third consecutive appearance in the summit clash.To make matters worse for Rohit, his poor form in the red-ball format has also raised questions about his place in the team. Recently, Waugh was asked about Rohit's Test future in the Indian team and the legendary Australian captain replied that it's



up to him to solve that problem. He further said that the India captain needs to look at himself in the mirror and ask if he still has the hunger to play the longest format for his country."It is totally up to him. He is the only one who can solve that problem. He has got to look himself in the mirror and say, do I still want to be captain or play for India? Am I committed? Am I putting enough time and effort into it? It is a privilege and an honour to play for your country. You can't be complacent or relax," Waugh told PTI.Furthermore, Waugh was asked about the criticism South Africa is facing for qualifying for the WTC final without playing against top teams and playing less number of matches. The legendary batter gave the example of how people complained about India playing in Dubai during ICC Champions Trophy 2025 and said that South Africa did well in the number of matches they played and are fully deserving to be in the final."There's always complaints. In Champions Trophy, India played a neutral ground in Dubai and people complained about that.

LSG vs DC, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Lucknow pitch conditions

- Delhi Capitals are on the second spot on the table with ten points
- Lucknow Super Giants are on fifth spot with ten points as well
- Delhi beat Lucknow in their opening game of the season



New Delhi. Lucknow Super Giants (LSG) are set to take on Delhi Capitals (DC) in Match 40 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Tuesday, April 22 at Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium, Lucknow. Lucknow are coming into the game after registering a thrilling win over Rajasthan Royals (RR) by two runs in the previous fixture. Avesh Khan held his nerve in the final over and successfully defended eight runs to help his team register their fifth win of the season.LSG have

performed exceptionally under the leadership of Rishabh Pant despite his poor form as they've won five out of eight matches to be on the fifth spot on the points table. In the batting department, Nicholas Pooran, Mitchell Marsh and Aiden Markram have been in phenomenal form. On the other hand, Shardul Thakur, Digvesh Rathi, Avesh Khan and Ravi Bishnoi have troubled the

batters with the ball. All in all, Lucknow look like a well-balanced team in the ongoing season and will aim to climb higher on the points table with a win over DC. Especially after losing their season opener against them by one wicket. Delhi Capitals are coming into the game, having suffered just their second loss of the season against Gujarat Titans.In a rare failure of

their bowling attack, Delhi allowed Gujarat to chase down the target of 204. However, they're enjoying a golden run under the leadership of their new skipper, Axar Patel, who's impressed with his shrewd leadership. DC batting lineup has fired collectively with KL Rahul being the top performer. On the bowling front, Kuldeep Yadav and Mitchell Starc are topping the charts being successful in applying the pressure in different stages of the match.Hence, both teams have a well-rounded squad for the upcoming encounter, which promises to be another exhilarating clash after Delhi beat Lucknow by one wicket in their first fixture.

LSG vs DC: HEAD-TO-HEAD
The two teams are even in terms of head-to-head records with both teams having won three matches each out of the six encounters between them. They're also tied with one win each at the Ekana Stadium.

LSG vs DC: TEAM NEWS
Fast bowler Mayank Yadav has made rapid progress in his fitness but it remains to be seen if he will be available for the clash. For Delhi, Faf du Plessis is unlikely to be available for the fixture after injuring himself while fielding against RCB.

Harsha Bhogle breaks silence on missing KKR games: Inappropriate conclusions drawn

New Delhi Decorated commentator Harsha Bhogle has dismissed rumours suggesting he is not part of the IPL 2025 commentary panel for Kolkata Knight Riders' home games at Eden Gardens, Kolkata. Bhogle clarified the reason behind his absence from Monday's match between KKR and Gujarat Titans, stating that "inappropriate conclusions" were being drawn regarding his absence from the commentary box.Reports on Monday claimed that Harsha Bhogle and former New Zealand cricketer-turned-commentator Simon Doull had been red-flagged by the Cricket Association of Bengal (CAB), which had allegedly requested the BCCI not to assign them to KKR's home fixtures. According to the PTI news agency, this purported stance from the CAB came in response to criticism from Bhogle and Doull regarding Eden Gardens pitches prepared by CAB curator Sujan Mukherjee during IPL



2025.Taking to X (formerly Twitter), Bhogle clarified that he had been assigned just two matches in Kolkata this season, and had missed the second one due to personal reasons. Neither Bhogle nor Doull were part of the commentary panel for Monday's match between KKR and GT at Eden Gardens."There are some inappropriate conclusions being drawn about why I wasn't at yesterday's game in Kolkata. Quite simply, it wasn't on the list of matches I was down to do! Asking me would have resolved the issue. Rosters are done before the tournament starts. I was rostered for two games in Kolkata. I was there for the first and an illness in the family prevented me from being at the 2nd," Bhogle wrote on Tuesday, April 22.Both Bhogle and Doull, speaking to Cricbuzz, had criticised the Eden Gardens curator for not providing pitches that suited the home team's strengths. Doull had even suggested that KKR should consider relocating their home games away from Kolkata if they continued to receive pitches that did not aid their chances of winning.KKR captain Ajinkya Rahane and head coach Chandrakant Pandit have also expressed disappointment over the lack of spinner-friendly.

Djokovic returns to Madrid seeking his 100th tour-level title

MADRID. Former champion Novak Djokovic has returned to the Madrid Open for the first time in three years in hopes of achieving his 100th tour-level title. Djokovic is seeded fourth in the same half of the draw as second-seeded Carlos Alcaraz, the home favorite who arrives at the Caja Magica this week with fitness concerns after reaching consecutive clay-court finals. The 37-year-old Djokovic, a three-time champion in Madrid, hasn't played in the Spanish capital since losing to Alcaraz in the 2022 semifinals, their first meeting.Djokovic won his 99th title last August at the Paris Olympics. He has lost four finals since then, most recently last month in Miami.The 100-title club features only Jimmy Connors (109) and Roger Federer (103).Over the last two weekends, Alcaraz has won the Monte Carlo Masters and lost in the Barcelona Open final, where he needed treatment on his upper right leg



on Sunday. “I’m confident it won’t affect me in Madrid,” he said. “That’s what happens when you play so many matches and have so few days to rest. It’s so demanding, and you have to give 100% every day. Having played a tournament like Monte Carlo and arriving in Barcelona with few days to adapt is really tough.”Alcaraz said fellow Spaniard Rafael Nadal, a five-time winner in Madrid, wrote to him after the Barcelona final to encourage

him and say he hoped he wasn't injured. “I bow at the feet of Rafa because of what he did week after week,” Alcaraz said. “You have to respect that.” Alexander Zverev, No. 2 in the world after winning in Munich at the weekend, was the top seed in Madrid and Taylor Fritz was the third seed. Defending champion Andrey Rublev was the seventh seed. Djokovic has a 30-9 record in Madrid, with titles in 2011, 2016 and 2019. He beat his coach Andy Murray in the 2016 final.

Alcaraz won Madrid in 2022 and 2023. Sabalenka leads women's drawThe women's draw has 29 of the top 30 players. No. 15 Barbora Krejickova is missing because of an injury.Top-ranked Aryna Sabalenka seeks her fourth final appearance in Madrid in five years. She won the tournament in 2021 and 2023, and lost last year's final to Iga Swiatek, the second seed this week.

What is Ashwin doing Former World Cup winner slams CSK veteran



New Delhi Former India opener and selector K Srikanth was not impressed with veteran spinner R Ashwin's bowling performance during Chennai Super Kings' (CSK) nine-wicket loss against Mumbai Indians at the Wankhede Stadium. “What is Ashwin doing? He has turned

completely defensive," Srikanth said on his YouTube channel ‘Cheeky Cheeka’. "He is not looking to take wickets. It's like, 'Let me just get through these four overs.' He never went for wicket-taking. Just bowling safe.“What was the idea of picking Ashwin today? To get two wickets

and win the match. But what did he do? He bowled safely in the powerplay."It didn't matter to CSK at all. MI (Mumbai Indians) were also sensible, taking singles off him. You have to understand the match situation, the IPL situation – and bowl accordingly,” Srikanth said.R Ashwin has picked up only five wickets in seven outings this season.

At the start of the tournament, Srikanth had questioned how CSK had used Ashwin. He said: “With regards to Ashwin, don't drop him, but stop him from bowling in the powerplay. Between the 7th and 18th over, he can be effective. With Jadeja and Noor Ahmad, they can easily bowl 10 overs at least.”

Srikanth also maintained that the season for CSK is over and they should start building for the next season.“Dhoni has already started talking about next season. That means he is pretty frustrated with this team's performance. He was right in saying that the guys have to own up and do something fantastic. Where CSK lost was in the auction itself. If you select players like Sam Curran, Overton, Tripathi, Hooda, how can you win matches?” Srikanth said.

IPL 2025: Rajasthan Royals face match fixing allegations after shocking loss vs LSG

- Rajasthan Royals failed to score nine runs in last over vs LSG
- They earlier lost a close game against Delhi Capitals as well
- The Sanju Samson-led side is on eighth spot on points table

New Delhi Rajasthan Royals (RR) are facing allegations of match fixing following their shocking loss against Lucknow Super Giants (LSG) in Match 36 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025). Jaideep Bihani,

Rajasthan Cricket Association (RCA) ad hoc committee convener, has alleged that the team was involved in some foul play, raising questions about their loss in the close encounter.Chasing a target of 181 runs, the Sanju Samson-led side required just nine runs to win in the final over, having six wickets in hand. However, much to everyone's surprise, they ended up losing the match by two runs as LSG's Avesh Khan successfully defended the score for his team with his exceptional death bowling.However, the loss didn't go down well with Jaideep Bihani, who questioned how the team lost on its home ground after needing just a few runs to win the encounter. In an interview given to News18 Rajasthan, Bihani mentioned the controversial past of the Rajasthan Royals in the IPL as their players were caught in spot-fixing in 2013.Moreover, the franchise owner Raj Kundra was also caught in betting, leading to



their ban for two seasons in 2016 and 2017 along with Chennai Super Kings (CSK). Hence, he demanded an investigation into the matter, urging the BCCI and other agencies to take stock of the situation. Apart from that, Bihani has also alleged that the Rajasthan Cricket Association was sidelined from overseeing the hosting of the IPL due to baseless excuses.The ad hoc committee has been appointed by the state government in Rajasthan. After analysing our work, we were given an extension for the fifth time. During our tenure, we've conducted all

competitions successfully right from the district level to the national level. However, as soon as the time for hosting IPL came, the Sports Council took control of it. For IPL, the BCCI had first sent a letter to RCA only. The excuse given by Sports Council and RR was that we don't have an MOU from Sawai Mansingh Stadium. If MOU is not there, so what? Aren't you paying Sports Council for every match?," Jaideep Bihani said in the interview.

Earlier, Rajasthan also failed to score nine runs in the last over against Delhi Capitals (DC) having seven wickets in hand and eventually lost the match in the super over. Following their fourth successive defeat, they are now teetering at the eighth spot on the points table with two wins from eight matches having four points to their name. They will next take on Royal Challengers Bengaluru (RCB) on 24th April at M. Chinnaswamy Stadium, Bengaluru.



When Sonam Kapoor

Was SLAMMED For Calling Aishwarya Rai 'Aunty'; Later Denied It



In 2009, Sonam Kapoor said something about Aishwarya Rai that sparked widespread outrage among fans. In an interview, she referred to Aishwarya, then 36, as “aunty” and reasoned it out by saying that the actor has worked with her father, Anil Kapoor. Her comment didn’t sit well with Aishwarya’s fans, and she was brutally trolled. After the backlash, Sonam denied making any such comment altogether and praised the Devdas actor.

Why did Sonam Kapoor call Aishwarya Rai ‘aunty’?

It so happened that back in the day Aishwarya was replaced as the brand ambassador of a popular beauty brand by Sonam. Some reports stated that it was Aishwarya who had backed off, giving the opportunity to the Delhi 6 actor. When asked about it, Sonam referred to Aishwarya and called her “aunty from another generation”. This statement drew widespread flak. Soon after, Sonam was asked about her “aunty” remark. She defended her statement and said, “Aish has worked with my dad so I have to call her aunty na!” She referred to Aishwarya co-starring with Anil Kapoor in films such as Taal, Hamara Dil Aapke Paas Hai, and others. That too, created trouble for the actor.

However, she soon went on deny that she would never call Aishwarya “aunty”. In another interview, Sonam said, “It’s all gossip. I never said any of that. I don’t want to remark on it anymore. A lot has been printed and said and it’s all turn into very untidy and filthy, and I don’t wish to get into it anymore. I really respect Abhishek as a person and had one of my best experiences working in Delhi 6. Aishwarya Rai is Aishwarya Rai. I never said that. I would address her in a deferential way, but I would never call her aunty.”

Sonam received flak for her comment

This controversy often resurfaces on social media. Years back, Sonam-Aishwarya’s controversy went viral on Reddit. An angry user wrote, “You need to have a career for someone to destroy it.” Yet another netizen commented, “So by that logic, Salman would be an uncle since he co-starred with Anil in many movies. How come she did a rom-com with Salman Uncle in Prem Ratan...?? She also worked with Abhishek in Delhi 6, who’s apparently husband of Aunty Aish. She was paired with Bobby Deol in Thank you although Bobby did a romantic movie with Aunty Aish: Aur Pyaar Hogaya na, back in 1997. The list goes on and on.



Disha Parmar

Shares Adorable Glimpses From Her Day Out With Daughter Navya

Disha Parmar has been enjoying the best phase of her life — motherhood. The Television actress is a doting mom to a daughter, named Navya, whom she shares with her husband and singer Rahul Vaidya. She often treats her Instafam with adorable glimpses of her baby. Recently, the Bade Achhe Lagte Hain 2 fame dropped a couple of pictures from her day out with Navya, making the fans go gaga over their bond.

Taking to Instagram, Disha posted a couple of selfies, wherein the mother-daughter duo is seen enjoying a relaxing day under the trees on a bright sunny day. In the snapshots, the actress held her daughter close, as they appeared relaxed and happy. Navya looked straight into the camera with a slight smile on her face.

Both of them kept it casual. As Disha opted for a white T-shirt paired with huge brown shades, Navya looked cute in a light green top. Sharing the pictures, she wrote in the caption, “It’s Navu’s World & mumma is just living in it. #19MonthsToday.” In no time, the comment section was flooded with reactions from her fans and admirers. An Instagram user wrote, “Awwdorable.” Another commented, “So sweet and very cute.” One of them stated, “Two Cuties in one frame.”

Disha tied the knot with singer Rahul Vaidya on July 16, 2021, in Mumbai. The marriage was an intimate affair with just close friends

and family members in attendance. The couple welcomed their little bundle of joy, Navya, in September 2023. On the work front, Disha is a popular face of the Television industry and has appeared in popular shows including Pyaar Ka Dard Hai Meetha Meetha Pyaara Pyaara and



Woh Apna Sa. She was last seen in the TV show Bade Achhe Lagte Hain Season 3, wherein she portrayed the role of Dr Priya Sood. Backed by Ektaa Kapoor, the show also featured Nakkul Mehta, Supriya Shukla and Shrishti Jain in the lead roles.

The actress took a break from acting after welcoming her daughter in 2023. She is yet to announce her next project. Rahul, on the other hand, is currently seen in Laughter Chefs: Unlimited Entertainment Season 2.

Imtiaz Ali Reveals REAL Reason Why Bobby Deol Was Removed From Jab We Met: 'Voh Wait Kar Raha Tha'



Bobby Deol recently revealed he was “really upset” after being abruptly removed from Jab We Met, despite initiating its early development with Kareena Kapoor Khan and director Imtiaz Ali. Amid this, an old interview of Imtiaz Ali is doing the rounds on social media. While speaking to The Lallantop, Imtiaz recalled why Bobby was left out of the film. Imtiaz Ali said, “Jab We Met ko Bobby Deol ke saath banane ka plan kar raha tha. Start kari picture but usko kuch aur offers mil rahe the, kuch bade directors ke saath. Toh voh wait kar raha tha. Keh raha tha ki iske baad kar lenge, uske baad kar lenge. Toh, karte karte ek aisa waqt aagaya jo mujhe laga ki ab yeh theek nahi lag raha.”

Imtiaz added, “Bohot waqt beet chuka hai kyuki vaise bhi, 5 saal tak maine ek hi film ki hai. Uske baad bhi ek do saal tak main kuch nahi kar raha tha. Toh matlab financially and even in life, you want to do things. Toh maine bola Bobby yeh film nahi banate hain. Let us decide this today. Let us shake our hands ki film nahi banate kyuki humara ek doosre ke saath sahi nahi rahega.”

Imtiaz’s interview has resurfaced amid Bobby Deol’s recent revelation of feeling hurt. Speaking to Instant Bollywood, Bobby shared how he first discovered the script while watching a rush print of Socha Na Tha, which Imtiaz was directing with Bobby’s cousin Abhay Deol. Impressed, Bobby urged Imtiaz to write a film for him, which eventually evolved into Jab We Met. “I tried really hard to make that film (Jab We Met) happen; I reached out to a lot of people,” he said. Bobby claimed that he played a major role in bringing the production house Shree Ashtavinayak Cine Vision on board. The producers, he said, were interested in working with him but hesitant about backing Imtiaz, who was still relatively new at the time. Bobby pushed for the collaboration and successfully convinced them to give the director a shot. He also reached out to Kareena Kapoor Khan through a contact to offer her the lead role, but she initially declined. Preity Zinta was also approached, but turned it down, saying she would consider it at a later time.

Anshul Garg Asks Fans To Suggest Title For Harshvardhan Rane, Sonam Bajwa's 'Intense Love Story'



Harshvardhan Rane and Sonam Bajwa starrer upcoming romance film has already gone on floors, with debutant producer Anshul Garg on board for the project. Taking to his Instagram handle, Garg reached out to his fans to suggest title ideas for the film, which he described as an “intense love story.” Garg also shared a picture with the lead actors along with other team members from the sets of his film. While Harshvardhan and Sonam could be seen dressed up in their respective characters, director Milap Zaveri also joined the frame for the picture. “Suggest me a name for this intense love story! Reading all comments!” Anshul Garg wrote in the caption.

Fans wasted no time sharing their reactions, along with a couple of suggestions for the film’s title. One wrote, “Diwaneyat will be a very beautiful story, and this unique team and its actors will make the story much more interesting.” while another added, “Raqeeb or Bekhudi? Just going by the current title.” “It seems to me that Deewaniyat is a good name for a love story ... But if you think about it, you can come up with more options,” a fan added. A section of fans even suggested that Garg name the film Sanam Teri Kasam 2. With multiple reports touting the film title as Deewaniyat, the makers are yet to officially confirm the same.

Last week, Desi Movies Factory announced the film, revealing the debut of music producer Anshul Garg into the world of cinema. “With seetis, taalis, masala, music, romance, and mass mayhem, we present Anshul Garg’s ‘Production No. 1,’ co-produced by Raghav Sharma, written and directed by Milap Zaveri, starring Harshvardhan Rane and Sonam Bajwa, and co-written by Mushtaq Shiekh!” the makers mentioned. The film will be released in 2025. The team has started shooting for the film in Mumbai, with Garg dropping the first pictures on his Instagram handle.

Speaking on the same, Garg expressed his views on his debut film as a producer. “I have always believed in stories that connect emotionally, and I believe this film is the right project to begin the journey. It’s a film where music plays a central narrative role—the kind of story where songs don’t just support the plot, they carry it forward,” he said, as quoted by The Times of India. Harshvardhan Rane also shared how Anshul Garg’s vision has been “clear” for the film, which he describes as inspiring.